मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, बुधवार, 10 सितंबर 2025

संवत 2082, आश्विन कृष्णपक्ष 4 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 06 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 स्वामी विवेकानंद : पश्चिमी जगत को सनातन धर्म की विशिष्टता को लेकर शिक्षित किया

टाइगर श्रॉफ ने पॉश मुंबई के इलाके खार में स्थित बेचा अपना फ्लैट 6

रांची में आईएसआईएस आतंकी गिरफ्तार कई दिनों से लॉज में बना रखा था ठिकाना

संवाददाता

रांचीः रांची के तबारक लॉज से आईएसआईएस के एक आतंकी को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल और झारखंड एटीएस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता हासिल हुई है। अशहर दानिश नाम का यह आतंकी लॉज में काफी दिनों से अपना ठिकाना बनाए हुए था। अशहर झारखंड का ही रहने वाला है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल आतंकी को गिरफ्तार कर अपने साथ रिमांड पर दिल्ली ले जाएगी।

लोअर बाजार थाना क्षेत्र में रह रहा था आतंकी : गिरफ्तार आतंकी रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र के इस्लामनगर स्थित तबरक लॉज में कमरा लेकर रह रहा था। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल को इस आतंकी के बारे में जानकारी मिली थी। जिसके बाद झारखंड एटीएस के साथ समन्वय स्थापित कर लॉज में छापेमारी की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एटीएस और दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने लॉज से कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए हैं।

कमरे से केमिकल बरामद : दिल्ली पुलिस के स्पेसल सेल को लॉज के कमरे की जांच के दौरान कई आपत्तिजनक चीजे बरामद हुई है। स्पेशल सेल के द्वारा कुछ केमिकल, आपत्तिजनक दस्तावेज और नक्शे आदि बरामद किए गए हैं। झारखंड एटीएस के एसपी ऋषभ झा ने बताया कि दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल को मिले इनपुट पर यह रेड की गई है। जो भी दस्तावेज बरामद हुई है, जांच के बाद उसके बारे में जानकारी दी जाएगी।

सुबह दो बजे से ही शुरू हो गई थी कार्रवाई : रांची के पथलकुदवा स्थित इस्लामनगर के तबरक लॉज में एक आतंकी के हथियार के साथ पनाह लेने की सूचना पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल झारखंड पुलिस से संपर्क स्थापित कर मंगलवार की रात ही रांची पहुच चुकी थी। रात में ही झारखंड एटीएस और रांची पुलिस का संयुक्त प्लान बना और रात से ही सस्पेक्ट पर नजर रखी जाने लगी। इस दौरान बुधवार सुबह दो बजे झारखंड एटीएस, रांची पुलिस और दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के लगभग 200 अफसरों और जवानों ने तबरक लॉज को घेर लिया। पूरी सुरक्षा के साथ अशहर दानिश का कमरा खुलवाया गया और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

लॉज में बोकारो का दिया है एड्रेस : अशहर दानिश ने लॉज में कमरा लेने से पहले एक फॉर्म भरा था, जिसमें उन्होंने अपना पता बोकारो के पेटरवार का दिया था। दानिश ने अपना आधार नंबर के साथ-साथ अपना मोबाइल नंबर भी दर्ज करवाया था। दानिश के पिता का नाम मजरुल हसन है।

इधर, पलामू के जपला से भी एक संदिग्ध आतंकी को हिरासत में लिया गया है। संदिग्ध को फिलहाल हुसैनाबाद थाना में रखा गया है। जहां एटीएस की टीम पूछताछ कर रही है। पूछताछ में संदिग्ध आतंकी ने कई बातों का खुलासा किया है। साथ ही कई अहम जानकारी दी है।

चुटूपालू घाटी में भीषण सड़क हादसा दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई

संवाददाता

रामगढ़ः जिले के चुटूपालू घाटी में अक्सर सड़क दुर्घटना देखने को मिलती है, जिसे मौत की घाटी भी कहा जाता है। बुधवार को एक बार फिर भीषण सड़क हादसा हुआ है। जिसमें चावल और दाल से लदे ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद रामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और दबे हुए दोनों शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया जा रहा है कि दो ट्रक की आपस में टक्कर होने से चालक और सह चालक की मौत हो गई। चावल और दाल से लदा एक ट्रक रांची से घाटी की ओर आ रहा था। घाटी में प्रवेश करते ही ट्रक अनियंत्रित होकर गड़के मोड़ के पास ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित स्थान पर भीषण दुर्घटनाग्रस्त का शिकार हो गया। इस दुर्घटना में ट्रक के परखच्चे उड़ गए। ट्रक पर लदा चावल और दाल पूरी सड़क बिखर गया। ट्रक में सवार ड्राइवर और सह चालक का कुछ भी पता नहीं चला। घटना के बाद रामगढ़ पुलिस को मौके पर पहुंची। इसके बाद सड़क पर बिखरे चावल और दाल पैकेट को हटाया गया, जिसके नीचे दोनों चालक और सह चालक दबे हुए मिले। सब इंस्पेक्टर जॉनी कुमार ने कहा कि चुटूपालू घाटी के पास दो ट्रकों के बीच टक्कर हो गई। हादसे में चालक और सह चालक की मौत हो गई है। दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ सदर अस्पताल भेजा गया है। वहीं रेस्क्यू टीम की मदद से गाड़ी और अनाज को हटाने का प्रयास किया जा रहा है ।

भाजपा का उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस वोटिंग का दावा

संवाददाता

नई दिल्ली : उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को मिली जीत के बाद भाजपा ने क्रॉस वोटिंग का दावा किया है। भाजपा का कहना है कि उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान विपक्ष की ओर से 15 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की है। भाजपा के दावे पर कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने सफाई दी और कहा कि यह गर्व या अहंकार की बात नहीं है बल्कि चिंतन और विचार का विषय है।

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि 'क्रॉस वोटिंग' जैसे शब्द का इस्तेमाल गलत है। यह गर्व या अहंकार की बात नहीं है, बल्कि यह चिंतन और विचार का विषय है। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद नए उपराष्ट्रपति के चुनाव के साथ हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस पद की गरिमा बनी रहे और यह कार्यालय पक्षपात से मुक्त होकर राष्ट्र के सामने एक उदाहरण पेश करे। मैं एनडीए उम्मीदवार को जीत की बधाई देता हूं और मैं यह कह सकता हूं कि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों का कनेक्शन हमारे राज्य झारखंड से है। मैं उनसे यही कामना करता हूं कि वे अपनी गरिमा को बरकरार रखने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि आशाएं बहुत होती हैं। भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 में 400 पार की बात कही थी, लेकिन वे सिर्फ 240 सीट ही जीत पाए। 15 सांसदों द्वारा क्रॉस वोटिंग की बात सामने आई है, लेकिन मैं मानता हूं कि यह कोई चिंता का विषय नहीं है। हमारे साथ करीब 300 सांसद हैं और प्रतिशत के नजरिए से देखें तो पिछली बार हमें 22 प्रतिशत वोट मिला था, जो इस बार बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया है। राहुल गांधी ने संविधान बचाने के लिए एक अभियान छेड़ा है और इसके लिए हमारा संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। जो लोग हम पर हंस रहे हैं, मैं उनसे यही कहूंगा कि हमारा वोट प्रतिशत बढ़ा है, जिससे हमारे संघर्ष को और भी बल मिलेगा।

नेपाल में हिंसक विरोध प्रदर्शन पर कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा, किसी भी समाज में हिंसा का कोई औचित्य नहीं है। गांधी की भूमि भारत शांति का पक्षधर है। आज भी हिंसा अस्वीकार्य है। चाहे वह बांग्लादेश, श्रीलंका हो या नेपाल, भारत की जिम्मेदारी है कि वह स्थिरता लाने में भूमिका निभाए। नेपाल में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और शांति बहाल करना इस कर्तव्य का हिस्सा है।

उन्होंने आगे कहा, अगर हम भारत के पड़ोसी देशों को देखें, तो बांग्लादेश में अशांति, नेपाल में उथल-पुथल, पाकिस्तान में लंबे समय से अस्थिरता और श्रीलंका में भी समस्याएं देखने को मिली हैं। यह स्वाभाविक है कि इससे चिंता होती है। यही कारण है कि मैंने कहा कि यह एक संकेत है और हमें इसे समझना होगा।

काठमांडू में फंसे भारतीय नागरीक

काठमांडू : नेपाल में चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच काठमांडू में कई भारतीय और विदेशी पर्यटक फंस गए हैं। हिंसा को देखते हुए नागरिकों ने भारतीय दूतावास से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि यहां स्थिति बहुत तनावपूर्ण है और हम बेहद डरे हुए हैं।

नेपाल में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद फंसे एक भारतीय पर्यटक ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, हमने यहां से निकलने के लिए भारतीय दूतावास से संपर्क किया। उन्होंने हमें अपने होटल में ही रहने की सलाह दी। यहां स्थिति बहुत तनावपूर्ण है और हम बेहद डरे हुए हैं।

एक अन्य नागिरक ने कहा, नेपाल में स्थिति काफी खराब है। पथराव और आगजनी की घटनाएं भी देखने को मिल रही है। मैं अपने दोस्तों के साथ 8 सितंबर को नेपाल घूमने के लिए आया था। यहां के हालात बिगड़ने के बाद भारतीय दूतावास से संपर्क किया और उन्होंने सुरक्षित जगह पर रुकने के लिए कहा है।

एक भारतीय पर्यटक ने कहा, मैं दोस्तों के साथ नेपाल घूमने के लिए आया था, लेकिन हमारे पहुंचने के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया। अब स्थिति बहुत ही बढ़ गई है। जितनी जल्दी हम सुरक्षित रूप से यहां से निकल सकें, उतना बेहतर होगा। हमें यहां खाने-पीने के लिए भी परेशानी उठानी पड़ रही है। नेपाल में भड़के हिंसक प्रदर्शनों और कर्फ्यू के बीच काठमांडू में फंसे एक जर्मन पर्यटक ने स्थिति पर गहरी चिंता जताई। जर्मन पर्यटक ने कहा, स्थिति बहुत खराब है। कल मैंने होटलों से बहुत सारा धुआं उठता देखा। वे जल रहे थे और यहां निर्दोष लोग मर रहे हैं। यह बहुत दुखद है। मैं कामना करता हूं कि जल्द ही हालात सामान्य होंगे।

इस बीच, भारत सरकार ने अपने नागरिकों को सलाह दी है कि वे स्थिति सामान्य होने तक नेपाल की यात्रा स्थगित करें और जो पहले से वहां हैं, वे घरों में रहें और स्थानीय प्रशासन के दिशा-निदेर्शों का पालन करें।

बता दें कि नेपाल के सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों में से एक पशुपतिनाथ मंदिर को बढ़ते हिंसक प्रदर्शनों के कारण बुधवार को दर्शनार्थियों के लिए बंद कर दिया गया है। मंदिर परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने और शांति बनाए रखने के लिए नेपाल सेना को तैनात किया गया है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सोमवार को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 500 से अधिक लोग घायल हुए।

देशभर में मतदाता सूची पुनरीक्षण की कवायद तेज, तैयारियों पर विचार-विमर्श के लिए चुनाव आयोग ने की अहम बैठक

नई दिल्ली : मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को पूरे देश में लागू करने की तैयारियों पर चर्चा के लिए चुनाव आयोग ने एक महत्वपूर्ण बैठक की। अपने राज्य अधिकारियों के साथ हुई बैठक में चुनाव आयोग ने देशभर में मतदाता सूची पुनरीक्षण की कवायद पर विचार-विमर्श किया। बैठक में चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने आयोग की एसआईआर नीति पर एक प्रस्तुति दी। इस दौरान बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एसआईआर के कार्यान्वयन में राज्य के अनुभव को साझा किया।

सीईओ की यह तीसरी बैठक : फरवरी में ज्ञानेश कुमार के मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार ग्रहण करने के बाद सीईओ की यह तीसरी बैठक है। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि बुधवार की दिन भर चलने वाली बैठक महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें पूरे देश में एसआईआर की तैयारियों पर चर्चा की जा रही है।

एसआईआर पूरे देश में लागू किया जाएगा : आयोग ने कहा है कि बिहार के बाद एसआईआर पूरे देश में लागू किया जाएगा। ऐसे संकेत हैं कि यह प्रक्रिया इस साल के अंत में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले शुरू हो जाएगी।

अवैध विदेशी प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई : इस गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य विदेशी अवैध प्रवासियों के जन्म स्थान की जांच कर-के उन्हें बाहर निकालना है। बांग्लादेश और म्यांमार सहित विभिन्न राज्यों में अवैध विदेशी प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के मद्देनजर यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस गहन समीक्षा के तहत चुनाव अधिकारी त्रुटिरहित मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। विपक्षी दलों की ओर से भाजपा की मदद के लिए चुनाव आयोग पर मतदाता आंकड़ों में हेराफेरी करने के आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने गहन संशोधन में अतिरिक्त कदम उठाए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अवैध प्रवासी मतदाता सूची में शामिल न हों।

एसआईआर में क्या-क्या? :निर्वाचक बनने या राज्य के बाहर से आने वाले आवेदकों की एक श्रेणी के लिए एक अतिरिक्त 'घोषणा पत्र' पेश किया गया है। उन्हें यह शपथपत्र देना होगा कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 से पहले भारत में हुआ था और उन्हें जन्म तिथि या जन्म स्थान की पुष्टि करने वाला कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। घोषणा पत्र में सूचीबद्ध विकल्पों में से एक यह है कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 और 2 दिसंबर, 2004 के बीच भारत में हुआ हो। उन्हें अपने माता-पिता की जन्मतिथि या स्थान के बारे में भी दस्तावेज जमा करने होंगे।

भारत-नेपाल सीमा पर हाई अलर्ट हिंसक प्रदर्शन के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली : नेपाल में पिछले दो दिनों से हो रहे हिंसक प्रदर्शन के चलते केंद्रीय एजेंसियों ने भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। आगाह किया गया है कि उपद्रवी तत्व इस अशांति का फायदा उठाकर पड़ोसी भारतीय राज्यों में हिंसा भड़का सकते हैं।

खुफिया सूत्रों ने चेतावनी दी है कि नेपाल के अशांत माहौल का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व सीमावर्ती भारतीय राज्यों में हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं।

अधिकारियों के अनुसार, इस खुफिया जानकारी के बाद उत्तराखंड पुलिस, उत्तर प्रदेश पुलिस, बिहार पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) सहित भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया गया है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश,

पश्चिम बंगाल और बिहार में 1,751 किलोमीटर लंबी खुली सीमा पर कानून-व्यवस्था के किसी भी संभावित उल्लंघन को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों को और सख्त कर दिया गया है।

सुरक्षा बलों को अधिकतम सतर्कता बरतने और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। उत्तराखंड के चंपावत (जहां सीमा नेपाल के महेंद्रनगर से जुड़ती है) में नेपाल सेना द्वारा कर्फ्यू लागू किए जाने के बाद सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पिथौरागढ़ के धारचूला (जहां नेपाल के साथ खुली सीमा लगी है) में स्थानीय लोगों में अपने रिश्तेदारों को लेकर चिंता बढ़ गई है। साथ ही सुरक्षा अधिकारियों ने सीमा पर निगरानी भी बढ़ा दी है।

बिहार के मधुबनी में भी एसएसबी को सीमा चौकियों पर तैनात किया गया है। पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने आईएएनएस को बताया, नेपाल की मौजूदा स्थिति को देखते हुए मधुबनी पुलिस पूरी तरह सतर्क है। सभी सीमा पुलिस स्टेशन हाई अलर्ट पर हैं। सभी सर्कल इंस्पेक्टर और स्टेशन कर्मचारी मैदान में हैं, विशेष रूप से सीमा चौकियों पर, जहां 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है।

उन्होंने कहा, सीमा पार करने वाले लोगों की पूरी जांच के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई भी असामाजिक तत्व सीमा पार न कर सके।

उत्तर प्रदेश में सात सीमावर्ती जिलों (पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज) में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने बताया कि सुरक्षा रणनीति में 24 घंटे गश्त और प्रवेश बिंदुओं पर सख्त जांच शामिल है, जिसमें 73 चेकपॉइंट्स को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

लखीमपुर खीरी जिले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने कहा, हम नेपाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। हम बीएसएफ और अन्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय में हैं।

उन्होंने बताया कि संयुक्त गश्त की जा रही है और पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि गौरीफंटा सीमा (जो पलिया तहसील को नेपाल के धनगढ़ी से जोड़ती है) पर स्थिति तनावपूर्ण है, लेकिन कड़ी निगरानी में शांत बनी हुई है।

इस बीच, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में पानीटंकी में भारत-नेपाल सीमा को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है, जहां सुरक्षा बल 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

शिक्षक मनोज कुमार चौबे को मिला राजकीय शिक्षक सम्मान

चतरा : जिले के लावालौंग प्रखंड क्षेत्र के लमटा पंचायत अंतर्गत आतमपुर निवासी सह मुखिया अमित कुमार चौबे के बड़े भाई एवं वर्तमान में उत्क्रमित उच्च विद्यालय द्वारी में कार्यरत शिक्षक मनोज कुमार चौबे को झारखंड सरकार द्वारा राजकीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया है।मुखिया अमित कुमार चौबे नें बताया कि यह सम्मान उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों और विद्यार्थियों को नवीन प्रयोगों के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने की उनकी विशिष्ट शैली के कारण मिला है।मनोज कुमार चौबे लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय हैं।उनकी कार्यशैली छात्रों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें व्यावहारिक अनुभवों से जोड़ती है।उनके मार्गदर्शन में बच्चे न केवल पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं,बल्कि उनमें आत्मविश्वास,अनुशासन और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित हो रही है। वे अक्सर छात्रों को प्रयोगात्मक ढंग से कठिन विषय समझाते हैं, जिससे पढ़ाई रुचिकर बन जाती है।बच्चों को प्रयोगात्मक तरीके से पढ़ाने के लिए उन्होंने अपने विद्यालय में आर्यभट्ट मंडपम के नाम से अलग कक्ष बनाया है।जिसमें बच्चे विभिन्न प्रकार के प्रोजेक्ट वगैरह तैयार करते हैं। उनके प्रयासों से विद्यालय का शैक्षिक वातावरण सशक्त हुआ है और विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं प्रदर्शन में लगातार सुधार देखा गया है।यही कारण है कि सरकार नें उनके योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया।मनोज कुमार चौबे को सम्मान मिलने पर पूरे प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीणों,शिक्षाविदों और शिक्षकों में हर्ष का माहौल है। लोगों का कहना है कि उनका यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।उनकी लगन और निष्ठा आने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी रहेगी।

जिला यक्ष्मा केंद्र में निक्षय मित्र दिवस पर पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन

चतरा : सिविल सर्जन कार्यालय परिसर में स्थित जिला यक्ष्मा केंद्र, चतरा के प्रांगण में मंगलवार को जिला स्तर पर निक्षय मित्र दिवस मनाते हुये टीबी मरीजों को पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिविल सर्जन डॉ॰ जगदीश प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ0 कुमार उत्तम उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के द्वारा टीबी मरीजों को पोषण टोकरी वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के द्वारा जिला में निश्चय मित्र सेंट्रल कोलफिल्ड्स लिमिटेड एवं सिनी संस्था के संयुक्त तत्वावधान चलाया जा रहे कार्यक्रम की सराहना करते हुये शत प्रतिशत टीबी मरीजों को अतरिक्त पोषण टोकरी उपलब्ध करने पर में सहयोग करने की बात कही गई। साथ ही जिले में ओर लोगों को निक्षय मित्र के साथ जोड़ने का प्रयास करने के लिए बोला गया हैं। कहा गया कि टीबी मरीजों को समय समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए। उन्हें नियमित अपने वजन, हीमोग्लोबिन, बलगम की जांच कर दवा का सेवन करना है। यक्ष्मा मरीजों को समय पर जांच व नियमित दवा के सेवन से टीबी को पूरी तरह से समाप्त किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि के द्वारा बताया गया कि सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।जिसमे निश्चय मित्र सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड एवं सिनी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जिले के टीबी मरीजों को पोषण टोकरी वितरण किया जा रहा हैं।कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि ने बताया की यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत की टीबी से सबंधित प्रचार -प्रसार में ग्रामीण स्तर पर पंचायतों के मुखिया को भी सम्मलित किया जाना हैं। ताकि गांव में टीबी से सबंधित प्रचार -प्रसार बेहतर रूप से हो सके।सभी पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत बनाने के लिये जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। बताया गया कि टंडवा प्रखंड के अन्तर्गत दस पंचायतों को चिन्हित कर उस पंचायत में टीबी गहन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ओर दो सालों में उस चिन्हित पंचायतों को टीबी मुकत पंचायत करने के उद्देश्य से कार्य किया जा रहा है।इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से विक्रांत कुमार (डीपीसी), आलोक कुमार श्रीवास्तव,नवीन मिश्रा,अनु कुमार,सुरेश मंडल, रविन्द्र कुमार,संजय यादव,सरफराज,मो॰ तबरेज एवं समस्त अधिकारी एवं यक्ष्मा कर्मी एवं सीनी संस्था से मुंतज़िर,ओमप्रकाश शर्मा उपस्थित थे।

आम्रपाली ओसीपी को फाइव स्टार अचीवर्स अवार्ड

चतरा : कोल इंडिया की आनुषंगिक इकाई सीसीएल की प्रतिष्ठित आम्रपाली ओपन कास्ट परियोजना (ओसीपी) को विगत दिनो मुंबई में आयोजित एक भव्य समारोह में फाइव स्टार अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि ओपन कास्ट खदान श्रेणी में उत्कृष्ट कार्य प्रणाली, सुरक्षा मानकों, पर्यावरण संरक्षण और सतत खनन प्रथाओं में किए गए योगदान की ऐतिहासिक पहचान है।इस सफलता पर बुधवार को रैयत विस्थापित मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आम्रपाली महाप्रबंधक अमरेश कुमार को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। मौके पर केंद्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि यह सम्मान पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है और इसमें स्थानीय रैयतों की सहभागिता भी अहम रही है। इस दौरान आम्रपाली महाप्रबंधक अमरेश कुमार ने रैविमो की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सिर्फ आम्रपाली परियोजना की नहीं, बल्कि अधिकारियों, यूनियन प्रतिनिधियों, कोयला कामगारों और आउटसोर्सिंग कर्मियों की संयुक्त मेहनत का परिणाम है। सुरक्षित खनन, पर्यावरणीय संतुलन और उत्पादन लक्ष्य हमारी प्राथमिकता रही है। अब फाइव स्टार रेटिंग मिलने से हमारी जिम्मेदारी और बढ़ गई है।बधाई देने वालों मुख्य रूप से रैविमो के केंद्रीय सचिव, मनोज चंद्रा, झामुमो जिला सचिव चंद्रदेव साव, जागेश्वर दास, प्रकाश यादव, आम्रपाली परियोजना से निरंजन राणा, लखन साव, मगध से विनोद गंझु, सुभाष यादव, सुरेंद्र उरांव, तस्दीक आलम, अंजली देवी, मोहम्मद अफजल, पिपरवार से रामचंद्र उरांव, विनोद महतो, कुल्लू राम, चेतलाल महतो सहित कई लोग मौजूद थे।

सिल्ली में सफेद बालू का काला खेल नए नहीं दशकों से बदस्तूर जारी

सोमवार की रात पूर्व विधायक व जेएलकेएम नेता ने अवैध बालू लदे वाहनों को रोका

पूर्व विधायक ने पुलिस को सौपा 6, प्राथमिकी दर्ज हुई 2 पर

संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली में सफेद बालू का काला खेल कोई नया नहीं दशकों से चला आ रहा है, बालू का अवैध कारोबार की काली कमाई से जिनको मोटर साइकिल चढ़ने की औकात नहीं थी वो आज फोर व्हीलर में घूम रहे है ब्रांडेड कपड़े पहन रहे हैं शहरों में जमीन खरीद कर आलीशान मकान बना रहे हैं, इतना ही नहीं बालू की काली कमाई से चुनाव में वोट भी खरीदे जाते है। जानकारों

का माने तो इस धंधे में 99% एक राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ता व पदधारी लोग शामिल है जिनकी भूमिका चुनाव में अपने नेता को जीतने के लिए बढ़-चढ़कर रहती है।

सिंडिकेट से चल रहा है बालू का अवैध कारोबार : सिल्ली में बालू का अवैध कारोबार बीते 15-20 सालों से चल रहा है परन्तु इधर सूत्रों का माने तो बीते 6 साल से एक सिंडिकेट है जिसमें अनूप सिंह, छोटू झा तथा विकास नामक व्यक्ति शामिल है जो नदी में बालू लोड होने जाने से पहले वाहन मालिकों से 22500 रूपए जमा लेते है यानि एंट्री कराते हैं। जमा किए गए पैसा सिंडिकेट के सदस्य शासन प्रशासन एंव सफेद पोशों तक पहुंचाते है।

सोमवार की रात चला हाई वोल्टेज ड्रामा : सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें देखा जा रहा है की रात को एक माननीय व जेएलकेएम नेता अवैध बालू परिवहन रोकने सड़क पर उतरे है और कह रहे है की एनजीटी का रोक के बाबजूद बालू का नदियों से उठाव व ढूलाई कैसे हो रहा है। इसमें मजे की बात बताया जाता है कि माननीय ने 2 हाइवा व 4 टिपर हाइवा सिल्ली पुलिस के हवाले किया था, लेकिन पुलिस ने 4 पर ही प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई के लिए खनन विभाग को अग्रसित कर दिया है। पकड़े गए 6 वाहनों में 4 पर प्राथमिकी की बात स्थानीय लोगों को पच नही रहा है लोग कह रहे है आखिर दो टिपर ट्रबो गया कहां किनके दबाव पर 2 को थाना से छोड़ा गया। इसमें तथ्य को छुपाने का प्रयास हुआ है क्योंकि माननीय ने अवैध ढूलाई करने वाले वाहनों को रोका था और पुलिस ने गश्ती के दौरान पकड़े जाने को लेकर प्राथमिकी दर्ज किया है।

अवैध नर्सिंग होम के खिलाफ जिला प्रशासन सख्त

सिमरिया व गिद्धौर प्रखंड में जांच टीम की बड़ी कार्रवाई

संवाददाता

चतरा : जिला प्रशासन उपायुक्त श्रीमती कृतिश्री जी के नेतृत्व में अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों एवं नर्सिंग होम पर सख्त दिख रही है। दो दिन पूर्व दो अवैध नर्सिंग होम और क्लिनिक पर कार्रवाई के बाद मंगलवार की देर शाम सिमरिया अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सिमरिया प्रखंड एवं गिद्धौर प्रखंड में विशेष जांच अभियान चलाया गया। सिमरिया प्रखंड अंतर्गत बगरा मोड़ स्थित पारस नर्सिंग होम और आशीर्वाद नर्सिंग होम का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान यह पाया गया कि आशीर्वाद हॉस्पिटल के पास क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के अंतर्गत लाइसेंस उपलब्ध नहीं है। फामेर्सी सेंटर में न तो स्टॉक रजिस्टर पाया गया और न ही कोई पंजीकृत फार्मेसिस्ट मौजूद था। पारस नर्सिंग होम के बेसमेंट से ब्लड टेस्ट और एक्स-रे की मशीनें बरामद की गईं, जहाँ कार्यरत केवल दो स्टाफ सदस्य मिले जो चिकित्सकीय रूप से योग्य नहीं थे और मात्र

इंटरमीडिएट तक शिक्षित थे। यही स्टाफ मरीजों का ब्लड सैंपल लेते थे, ब्लड टेस्ट करते थे, रिपोर्ट तैयार करते थे और यहाँ तक कि मरीजों को स्लाइन चढ़ाने और एक्स-रे कराने का कार्य भी करते थे। वहीं दोनों नर्सिंग होम में पंजीकृत चिकित्सक अनुपस्थित पाए गए तथा बिना चिकित्सक की मौजूदगी में मरीजों को एडमिट कर इंजेक्शन एवं स्लाइन चढ़ाई जा रही थी। इतनी गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए प्रशासन ने दोनों नर्सिंग होम को तत्काल सील कर दिया और इनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी।सिमरिया अनुमंडल पदाधिकारी सन्नी राज के नेतृत्व में गठित जांच टीम में प्रखंड विकास पदाधिकारी चंद्रदेव प्रसाद, अंचल पदाधिकारी गौरव कुमार राय एवं रेफरल अस्पताल प्रभारी बी.एन. प्रसाद शामिल थे।इस संदर्भ में अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज ने कहा कि बिना पंजीकृत चिकित्सक एवं बिना आवश्यक दस्तावेज के किसी भी परिस्थिति में नर्सिंग होम अथवा क्लीनिक का संचालन किया जाना गंभीर अपराध है। यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि मरीजों की जान से खिलवाड़ भी है। हमारी प्राथमिकता आमजन की स्वास्थ्य सुरक्षा है। नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। आम जनता से अपील है कि इलाज के लिए केवल मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य संस्थानों पर ही भरोसा करें।इसी क्रम में गिद्धौर प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल देव के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न पंचायतों और गांवों में संचालित निजी क्लीनिकों की जांच की। जांच के दौरान ब्रह्मपुर गांव में अवैध रूप से संचालित न्यू जनता हॉस्पिटल पाया गया। सिविल सर्जन डॉ. जगदीश प्रसाद द्वारा मौके पर पहुंचकर अस्पताल को तत्काल सील कर दिया गया। वहीं, अस्पताल में भर्ती तीन मरीजों को सुरक्षित रूप से सदर अस्पताल चतरा में शिफ्ट किया गया। इस अस्पताल के संचालक कैलाश कुमार दांगी के विरुद्ध भी विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है।उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जिले में बिना अनुमति एवं बिना मान्यता के संचालित किसी भी स्वास्थ्य केंद्र या नर्सिंग होम को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना है। साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ केवल सरकारी अथवा पंजीकृत निजी स्वास्थ्य संस्थानों से ही प्राप्त करें।

यंग अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित होंगी चतरा की सिमरन शाह

चतरा : चतरा की प्रतिभाशाली कलाकार और समाजसेवी सिमरन शाह को उनके बहुआयामी योगदान के लिए प्रतिष्ठित यंग अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान नेशनल इंटिग्रेटेड फार्म ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविस्ट (निफा) द्वारा नई दिल्ली और हरियाणा के करनाल में आयोजित होने वाले सिल्वर जुबली कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। ?सिमरन शाह एक बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं, जो एक नृत्य निर्देशक, शिक्षक और राष्ट्रीय स्तर की कलाकार के रूप में अपनी एक विशिष्ट पहचान रखती हैं। उन्होंने सिमरन शाह डांस अकादमी की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य ₹नृत्य की शक्ति को उजागर करना₹ है। उनकी सफलता में उनकी माता श्रीमती अंजना कुमारी, पिता संजय कुमार स्नेही और उनके भाई-बहनों का अटूट समर्थन रहा है।

प्रमुख उपलब्धियाँ और अनुभव : सिमरन ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2024 में झारखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए एकल लोक नृत्य कलाकार के रूप में प्रथम पुरस्कार जीता। इसके अलावा, वह जवाहर नवोदय विद्यालय, चतरा में राष्ट्रीय युवा संसद की प्रथम पुरस्कार विजेता वक्ता रही हैं। साथ ही राष्ट्रीय स्तर की खो-खो खिलाड़ी भी रह चुकी हैं। नेहरू युवक केंद्र, एनएसएस और राजकीय इटखोरी महोत्सव जैसे मंचों पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।?एक नृत्य निर्देशक के रूप में इन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय और कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में अपनी सेवाएँ दी हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान इन्होंने मुफ्त शिक्षा और नृत्य निर्देशन प्रदान करके अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचय दिया। सिमरन ने अपनी शिक्षा आईटीवीएसएम और जवाहर नवोदय विद्यालय, चतरा से पूरी की है और संगीत कला केंद्र, चंडीगढ़ से संगीत में बीए तथा चतरा कॉलेज से अंग्रेजी में एमए ऑनर्स की उपाधि प्राप्त की है।

यंग अचीवर्स अवार्ड समारोह : निफा का यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम 21 से 24 सितंबर तक नई दिल्ली के भारत मंडपम और हरियाणा के करनाल में आयोजित होगा। इसमें देश-विदेश से लगभग तीन हजार समाजसेवी भाग लेंगे। देश के 780 जिलों से 1600 से अधिक युवा समाजसेवियों का चयन किया गया है, जिन्हें तीन श्रेणियों - जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

इस समारोह के मुख्य अतिथि मॉरीशस के राष्ट्रपति होंगे। समारोह में देश-विदेश की बड़ी हस्तियाँ, केंद्र और राज्य के कैबिनेट मंत्री भी शामिल होंगे, जो युवा समाजसेवियों को सम्मान प्रदान करेंगे। राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं को 50,000 रुपये और राज्य स्तर के विजेताओं को 10,000 रुपये नकद के साथ मोमेंटो, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन का एक्सीलेंट सर्टिफिकेट और यंग अचीवर्स अवार्ड दिया जाएगा।?झारखंड से सिमरन शाह के अलावा, रामगढ़ से विद्याभूषण और डॉ. रजनी प्रिया, बोकारो से सैयद दानिश अराफत और सुम्मी कुमारी, धनबाद से गणेश शर्मा और सुरभि कुमारी, गिरिडीह से संध्या मिश्रा और शाहिल शमीम, और जामताड़ा, देवघर, दुमका, साहेबगंज, गोड्डा, पाकुड़, गढ़वा, पलामू, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लातेहार, लोहरदगा, रांची, कोडरमा, हजारीबाग, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां से भी युवा समाजसेवियों का चयन हुआ है।

हंटरगंज में मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ा

सीएचसी में उमड़ रही मरीजों की भीड़

संवाददाता

चतरा : मौसम में उतार चढ़ाव के साथ वायरल बुखार, सर्दी - जुकाम और खांसी का जोखिम बढ़ गया है। हंटरगंज में मानसून की बारिश के बाद अब मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है। लोगों की बड़ी तादाद मौसमी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। सामुदायिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंटरगंज में पिछले एक सप्ताह से मरीजों की संख्या अचानक बढ़ गयी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चारों ओर मरीज ही मरीज नजर आ रहे हैं। पर्ची काउंटर पर भी मरीजों की लंबी लंबी कतार लग रही है।मरीज लाइन में लगकर डॉक्टर को दिखाने का इंतजार करते नजर आ रहे हैं। बरसात के बाद जगह-जगह जलभराव की समस्या पैदा हो गयी है। जलभराव से मच्छरों को पनपने का उपयुक्त वातावरण मिल गया है। हंटरगंज के सीएचसी केंद्र में बरसात से पहले ओपीडी में 50 से 60 मरीज पहुंचते थे। लेकिन अब 200 के पार आउटडोर मरीजों की संख्या पहुंच गयी है।मरीजों की संख्या बढ़ने से डॉक्टरों पर बोझ बढ़ गया है। डॉक्टर का कहना है कि दिन में गर्मी और रात में ठंडक से शरीर का तापमान बिगड़ रहा है।वायरल बुखार से पीड़ित मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम पाई जा रही है।मौसम में आये बदलाव से वायरल बुखार, जुकाम-खांसी का जोखिम बढ़ जाता है।हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर वेद प्रकाश ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से मौसमी बीमारियों के कारण मरीजों की आउटडोर में बढ़ोतरी हुई है।उन्होंने आगे बताया कि जुकाम, खांसी, वायरल फीवर के मरीज इलाज कराने ज्यादा आ रहे हैं।ओपीडी में मरीजों की रोजाना संख्या दो सौ से ऊपर हो गयी है। अस्पताल में मरीजों के लिए निशुल्क दवाएं उपलब्ध हैं। मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।चिकित्सा प्रभारी वेद प्रकाश ने लोगो से अपील की है कि स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें और सावधानियों का पालन कर खुद को व अपने परिवार को सुरक्षित रखें।गर्म व ताजा भोजन करें। पीने का पानी छानकर या उबालकर पिएं। ज्यादा देर तक धूप और पानी में ना रहे। सफर करते समय या सफर के बाद फ्रीज का पानी उपयोग ना करे।

खुले में रखा या बासी भोजन न करें। कटे-फटे फल व सब्जियों का सेवन न करें। उल्टी, दस्त, बुखार, खांसी, सिरदर्द जैसे लक्षण होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में तत्काल जांच कराएं।

अतिक्रमण अभियान पर दुकानदारों की नाराजगी

खूंटी : नगर पंचायत द्वारा नेताजी चौक और कर्रा रोड पर चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर स्थानीय दुकानदार और निवासी नाराज दिखे। अभियान के दौरान कई दुकानों के बोर्ड, छज्जे और सामने की जमीन को कब्जे हटाने के नाम पर तोड़ा गया। हालांकि, प्रभावित लोगों ने इस कार्रवाई को एकतरफा और सतहहीन बताते हुए गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दुकानदारों ने इस करवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या सिर्फ उन्हीं का इलाका ही नगर पंचायत में आता है, जहां हर महीने अतिक्रमण के नाम पर परेशान किया जाता है। उन्होंने कहा, ₹जब भी अतिक्रमण हटाने का आदेश आता है, तो सिर्फ खानापूर्ति के लिए कर्रा रोड को निशाना बनाया जाता है। क्या नगर पंचायत के दूसरे क्षेत्रों में अतिक्रमण नहीं है? स्थानीय लोगों का कहना है कि यातायात जाम का मुख्य कारण अतिक्रमण नहीं, बल्कि अव्यवस्थित टेम्पो स्टैंड और सड़क किनारे खड़े किए गए वाहन हैं, जिन पर कोई कार्रवाई नहीं होती। दुकानदारों ने शिकायत की कि वे अपनी दुकान के सामने सफाई बनाए रखने के लिए मिट्टी आदि डालकर उसे समतल करते हैं, ताकि गंदगी न फैले और कोई परेशानी न हो।

ग्रामीणों के श्रमदान से जर्जर सड़क बनी चलने लायक

खूंटी जिला के जनप्रतिनिधियों से लोगों को अब नहीं उम्मीद

तोरपा : प्रखंड मुख्यालय से 14 किलोमीटर दूर मरचा पंचायत के खरवाटोली गांव के ग्रामीणों ने अपने बलबूते पर अपनी समस्या का समाधान करने का एक अनूठा उदाहरण पेश किया है। गांव के 30 परिवारों ने मंगलवार को श्रमदान करके तीन किलोमीटर लंबी जर्जर सड़क की मरम्मत कर इसे चलने लायक बना दिया।

यह सड़क मरचा मिशन को खरवाटोली भाया पौजे से जोड़ती है। भारी बारिश के बाद इस कच्ची सड़क में हर तरफ गहरे गड्ढे बन गए थे, जिससे आवागमन बेहद मुश्किल हो गया था। इससे स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सबसे बड़ी समस्या तब होती थी जब किसी बीमार या गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाना होता, क्योंकि चार पहिया वाहन गांव तक पहुंच ही नहीं पाते थे। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इस गंभीर समस्या की ओर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का कई बार ध्यान आकर्षित कराया, लेकिन सड़क निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई। निराश होने के बाद ग्रामीणों ने खुद ही बैठक करके श्रमदान से सड़क मरम्मत का निर्णय लिया। मंगलवार को ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में एकजुट होकर इस काम को अंजाम दिया। इस मौके पर बिरसा तोपनो, प्रवीण तोपनो, कोमल तोपनो, अलबन तोपनो, अनिल तोपनो, जयकांत तोपनो, भीमा तोपनो, अशिशन तोपनो, नामलेन तोपनो, जीवन तोपनो, सेम लुगुन और पौलुस भेगरा सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों के इस सामुदायिक प्रयास की खबर सुनकर मरचा पंचायत की मुखिया मोनिका तोपनो और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के तोरपा प्रखंड अध्यक्ष रूबेन तोपनो भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों के प्रयास की सराहना की और गांव तक पक्की काली सड़क का निर्माण कराने का आश्वासन दिया।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में सरकार उठा रही है ऐतिहासिक कदम : मंत्री

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी की दूरदर्शी सोच और जन-केंद्रित नीतियों ने राज्य को विकास की नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त किया है।

ग्रामिण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडे सिंह की सक्रिय पहल और समर्पण के परिणामस्वरूप महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। वर्ष 2021-22 में जहाँ महिलाओं की भागीदारी 45-61 प्रतिशत के बीच थी, वहीं अब यह बढ़कर 51.09 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि सरकार की योजनाएँ न केवल जन-जीवन में बदलाव ला रही हैं, बल्कि महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त भी बना रही हैं।

स्वयं सहायता समूहों, बागवानी, पशुपालन और अन्य लिवलीहुड कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का जो प्रयास किया जा रहा है, उसने गाँव-गाँव में विकास की नई धारा प्रवाहित की है। आज झारखंड की महिलाएँ केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि समाज की परिवर्तनकारी धुरी और नेतृत्वकर्ता बन रही हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंत्री दीपिका पांडे सिंह का साझा संकल्प यही है कि हर गांव में विकास और हर महिला को सशक्तिकरण का अधिकार सुनिश्चित हो। यही संकल्प झारखंड के उज्वल भविष्य की गारंटी है।

चैंबर के पूर्व अध्यक्षों की बायोग्राफी पुस्तक का हुआ लोकार्पण

संवाददात

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के गौरवशाली इतिहास और नेतृत्व की विरासत को संरक्षित करने के उद्देश्य से, फेडरेशन के पूर्व अध्यक्षों की जीवनी पर आधारित बायोग्राफी पुस्तक का लोकार्पण चैम्बर भवन में किया गया। इस पुस्तक में पूर्व अध्यक्षों के जीवन, योगदान और संगठन को नई दिशा देने में निभाई गई भूमिका का विस्तृत संकलन है।

कार्यक्रम में सभी पूर्व अध्यक्ष अपने परिवार के साथ उपस्थित रहे। पूर्व अध्यक्ष महेश पोद्दार, आरके सरावगी, ओमप्रकाश अग्रवाल, बिष्णु बुधिया और के.के. साबू ने अपने संबोधन में कहा कि हर अध्यक्ष के सामने नई चुनौतियाँ रही हैं, और सभी ने मिलकर चैम्बर को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

अध्यक्ष परेश गट्टानी ने बताया कि आठ माह की मेहनत के बाद यह संकलन तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में हमारा चैम्बर वाइब्रेंट है और यह पुस्तक भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत होगी। चैम्बर महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि यह प्रयास न केवल व्यापार जगत के लिए प्रेरणा देगा, बल्कि संगठन की परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनेगा।

उपाध्यक्ष राहुल साबू और ज्योति कुमारी ने बायोग्राफी के प्रकाशन में सहयोग के लिए सभी पूर्व अध्यक्षगणों को धन्यवाद दिया। साथ ही पुस्तक प्रकाशन में सहयोग हेतु सलूजा गोल्ड, हीरालाल ग्रुप और बाबूलाल प्रेमसंस ग्रुप के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में चैम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव विकास विजयवर्गीय, नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष आरके सरावगी, जगमोहन पोद्दार, केके साबू, महेश पोद्दार, ओमप्रकाश अग्रवाल, ललित केडिया, बिष्णु बुधिया, गिरीश मल्होत्रा, अर्जुन जालान, अरुण बुधिया, मनोज नरेड़ी, अंचल किंगर, सज्जन सराफ, रंजीत टिबड़ेवाल, बिकास सिंह, रतन मोदी, पवन शर्मा, विनय अग्रवाल, रंजीत गाड़ोदिया, कुणाल अजमानी, प्रवीण जैन छाबड़ा, किशोर मंत्री के अलावा कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य और शहर के गणमान्य अतिथि शामिल थे।

हेहल डीएवी के बच्चों ने की पेंटिंग

रांची : सांसद कला महोत्सव के तहत चल रहे पेंटिंग कॉर्निवाल 2025 में बहुत ही उत्साह के साथ बच्चे भाग ले रहे हैं। यह पेंटिंग कार्निवल सिर्फ उत्सव नहीं बल्कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देश के भावनाओं की अभिव्यक्ति है, जिसे रांची के बच्चे पेंटिंग के माध्यम से व्यक्त कर रहे हैं। मंगलवार को हेहल डीएवी में 1000 से अधिक बच्चों ने इस महोत्सव में अपनी सहभागिता निभाई। ऑपरेशन सिंदूर पर पेंटिंग कर देश के पराक्रमी और शौर्यवान सशस्त्र बलों के प्रति अपना आभार जताया। आज के सब सफर रविंद्र कुमार ऐश्वर्या सेठ रतन अग्रवाल कुमुद झा उपस्थित रहे।

बांग्लादेशी-रोहिंग्या को बसाने और अपनों को उजाड़ने में जुटी हेमंत सरकार : अजय साह

रांची। जेएमएम की हालिया प्रेस वार्ता पर भाजपा ने तीखा पलटवार किया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार बांग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठियों को बसाने में लगी है, जबकि अपने ही देश के गरीब और बेसहारा नागरिकों को बेघर करने के लिए नए-नए बहाने गढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जेएमएम बड़ी चालाकी से भारत सरकार के उस पत्र का जिक्र करती है जिसमें अतिक्रमण हटाने का अनुरोध किया गया था, लेकिन उन सभी पत्रों को दबा देती है जिनमें बेघर और बेसहारा लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पुनर्वास देने की स्पष्ट बात लिखी है। भारत सरकार की नीति साफ और पारदर्शी है–गरीबों को घर देना और घुसपैठियों को हटाना। इसके विपरीत, राज्य सरकार ने बिना किसी पुनर्वास योजना के अतिक्रमण हटाकर अपने असफल प्रयासों का दोष केंद्र पर डालने की कोशिश की है। अजय साह ने आगे कहा कि भारत सरकार और झारखंड उच्च न्यायालय ने कई बार राज्य सरकार को घुसपैठियों को हटाने का निर्देश दिया, लेकिन सरकार हर बार बहानेबाजी करती रही। आज वही सरकार उन लोगों को खदेड़ रही है जो पिछले 40झ50 वर्षों से रांची में रह रहे हैं। नगर निगम चुनाव न होने के कारण गरीबों को घर देने वाली योजनाएं अधर में लटकी हुई हैं और जिन योजनाओं पर काम चल रहा है, उनमें भी राज्य सरकार और निगम के अधिकारियों द्वारा करोड़ों रुपये की हेराफेरी की गई है। अजय ने कहा कि किसी भी अतिक्रमण को हटाने से पहले राज्य सरकार को पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए और साथ ही साथ यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वहाँ पर कोई भी नया निर्माण ना हो। भाजपा प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि हेमंत सरकार अतिक्रमण हटाने में धर्म देखकर कार्रवाई करती है। रांची शहर के बीचों बीच विशेष समुदाय के अवैध कब्जों पर कोई कार्यवाही नहीं होती, जबकि दशकों से बसे हिंदू समाज के गरीब परिवारों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। अजय साह ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार का यह दोहरा रवैया जनता की नजरों से अब छिपा नहीं है और आने वाले समय में जनता जेएमएम सरकार को करारा जवाब देगी।

आजसू का प्रतिनिधिमंडल कुलाधिपति से मिला

रांची: आजसू का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से सह कुलाधिपति संतोष कुमार से भेंट किया, वहीं ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में रांची विश्विद्यालय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्विद्यालय में स्थाई कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव की नियुक्ति की मांग की। ज्ञापन में आजसू ने निवेदन पूर्वक कहा कि रांची विश्विद्यालय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्विद्यालय में स्थाई कुलपति नहीं है जिसके कारण विश्वविद्यालय का काम पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है न तो समय पर क्लास हो रही है न ही समय पर परीक्षा न ही रिजल्ट प्रकाशित हो पा रही है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से मिले संजय सेठ

संवाददाता

रांची : केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दिल्ली में मुलाकात किया। इस मुलाकात के दौरान उन्हें रांची के सिल्ली प्रखंड के राढू बहुउद्देशीय जलाशय योजना, जो 1980 में अस्तित्व में आई थी। इसकी वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। वहीं कहा कि राज्य सरकार (झारखंड) की उदासीनता के कारण यह परियोजना वर्षों से लंबित पड़ी है।

स्वर्णरेखा नदी की सहायक राढू नदी पर आधारित यह परियोजना क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगी। इस परियोजना में बांध का निर्माण, पाइपलाइन सिंचाई प्रणाली, पर्याप्त सिंचाई व्यवस्था, जल विद्युत उत्पादन, पेयजल आपूर्ति एवं औद्योगिक उपयोग हेतु जल की व्यवस्था किया जाना है।

परियोजना का महत्वपूर्ण और सकारात्मक पक्ष यह है कि इससे कोई विस्थापन नहीं होगा। इसके साथ ही इस योजना के संचालित होने से सिल्ली एवं राहे प्रखंड के सैकड़ो गांव को दीर्घकालिक लाभ भी प्राप्त होगा। वर्तमान समय में इस योजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत एआईबीपी घटक के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिसमें 60% केंद्रांश का प्रावधान है। श्री पाटिल से आग्रह किया कि राज्य स्तर पर लंबित मामलों को निष्पादित करते हुए, इसे संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया जाए ताकि रांची लोकसभा क्षेत्र की बड़ी आबादी को परियोजना का लाभ मिल सके।

सीपी राधाकृष्णन को सुदेश महतो ने दी शुभकामनाएं

रांची : आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने देश के उपराष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होने पर सीपी राधाकृष्णन को शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित की हैं।

श्री महतो ने कहा कि राधाकृष्णन जी का निर्वाचित होना न केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए गौरव का विषय है बल्कि यह पूरे देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की सुदृढ़ता का प्रतीक भी है। झारखंड के राज्यपाल रहते हुए उन्होंने यहाँ के जनजीवन से गहरा जुड़ाव बनाया और अपनी सादगीपूर्ण कार्यशैली से जनसेवा का नया मानक स्थापित किया। श्री महतो ने कहा कि कि झारखंड में अपने कार्यकाल के दौरान ह्यगूंज महोत्सवह्न में जिस प्रकार अपनी उपस्थिति से श्री राधाकृष्णन ने कला, संस्कृति और परंपराओं को प्रोत्साहित किया, उसने जनता को गहरे रूप से प्रभावित किया है। श्री महतो ने विश्वास प्रकट किया कि अपने उपराष्ट्रपति कार्यकाल में भी श्री राधाकृष्णन पूरे देश की विविध आकांक्षाओं को साथ लेकर भारत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में सफल होंगे।

राधाकृष्णन की दूरदृष्टि व समर्पण से लोकतंत्र मजबूत होगाः डॉ भगत आजसू के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि आज सी पी राधाकृष्णन देश के उपराष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं, तो पूरा विश्वास है कि उनके अनुभव, दूरदृष्टि और जनकल्याण के प्रति समर्पण से भारत की लोकतांत्रिक परंपराएँ और अधिक सशक्त होंगी और झारखंड को भी इसका लाभ मिलेगा।

राधाकृष्णन का निर्वाचित होना राज्य के लिए गर्व का विषय : प्रवीण प्रभाकर : आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि श्री राधाकृष्णन जी का कार्यकाल भारत को सामाजिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मजबूती प्रदान करने की दिशा में ऐतिहासिक सिद्ध होगा।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में मंदबुद्धि निराश्रितों की सेवा एवं कराया गया भोजन

ऐसे सेवा कार्यों को समाज के हर वर्ग का सहयोग और प्रोत्साहन मिलना चाहिएः संजय सर्राफ

संवाददाता

रांची : परमहंस डा० संत शिरोमणी श्री श्री 108 स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य मे श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वाधान मे विगत 20 माह से चल रहे पीड़ित मानव सेवा के पावन तीर्थ स्थल मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग के प्रांगण में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) राँची में आज 9 सितंबर को सुनीता अशोक अग्रवाल के सौजन्य से आश्रम में रह रहे 40 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभु जी एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसादी का विधिवत आश्रम के किचन में भोजन बनवाकर भोजन खिलाया गया। अपना घर आश्रम के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि 7 अगस्त से 9 सितंबर तक जुलाई तक 34 दिनों मे 6120 निराश्रित प्रभुजी एवं उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम सदगुरू कृपा अपना घर (सत्य-प्रेम सभागार) में-अर्थव कुमार,सुनीता कुमारी,विशाल जालान,रंजना शर्मा,मनोज कुमार यादव,शान्ती देवी,निर्मल अग्रवाल,दीपक केसरी,विवेक सिंह,कौशिक चंदेल,बबीता लाल, राजेश रंजन, दीपक गुप्ता, सुनीता देवी,प्रकाश चन्द मोदी, खुशबु गुप्ता,आनंद कुमार सिंह,अनुप टांटीया,पुनम सिन्हा, रुची गुप्ता, संध्या मोदी,रेणु देवी गोयल,राजीव रंजन,कृष्णा ठक्कर,कविता बेंकट गाडोदिया,बिना देवी, अशोक कुमार अग्रवाल, निलेश ट्विंकल छावनीका,दीपांकर केसरी,सोनु कुमार,हरीश पारीख, रामपाल जैन,अपूर्वा कुमारी,ज्ञान शर्मा,अभिषेक सिंह,सतेंन्द्र त्रिपाठी, आनंद माणिक,आदिति प्रिया,रेणु कुमारी,संजय साहु,राम रतन धानुका,अभिषेक कुमार,राधा कुमारी,सतेन्द्र सिंह के सौजन्य से सभी निराश्रित प्रभुजी को भोजन प्रसादी खिलाकर सेवा की गई। सभी ने ट्रस्ट के सदस्यों को बहुत बहुत धन्यवाद एवं अपना अमूल्य आशीर्वाद दिया। प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों को समाज के हर वर्ग का सहयोग और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। अन्नपूर्णा सेवा के पुनीत कार्य में ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुजारी अरविंद पांडे, पुरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल,नन्द किशोर चौधरी, संजय सर्राफ, विशाल जालान, सुनील पोद्दार, मधुसूदन जाजोदिया,पवन कुमार पोद्दार, विष्णु सोनी, सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई–निविदा

नं० एसएनटी– जेपी–14–2025–26

दिनांक – 06.09.2025

मंडल रेल प्रबंधक / सं० एवं दू० सं०, उ० प० रे० जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई – निविदा का ऑनलाईन ई–टेण्डर आमंत्रित किया जाता है। **1. कार्य का नाम व लोकेशन :** "जयपुर मंडल में मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर जयपुर द्वितीय के सेक्शन में विभिन्न सिग्नलिंग परिसंपत्तियों की सुरक्षा एवं प्रतिस्थापन का कार्य।" **2. अनुमानित लागत :** Rs. 3,48,56,299.21 /– **3. बिड सिक्योरिटी राशि रूपये :** रूपये 3,24,300 /– **4.वेबसाईट पर टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समय :** 30.09.2025 समय 15:00 बजे तक। **5. वेबसाईट का विवरण और नोटिस बोर्ड की लोकेशन :** www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है । नोटिस बोर्ड लोकेशन मं०रे०प्र० कार्यालय, पावर हाउस रोड जयपुर। **1132-CR/25**

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

सं.: ईएल/टीआरडी/जेपी/निविदा सूचना /25–26/07 दिनांक 04.09.2025

व.मं.बि.इंजी. (टीआरडी), उ.प.रे., जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये ई – निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैन्युअल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा । **क्र.सं. 1. एनआईटी संख्या** :ईएल–टीआरडी–जेपी–2025–26–07 **कार्य का नाम :** ओएचई वर्क इन कनेक्शन विथ थर्मोविज़न चेकिंग, पेकिंग सैडल इरेक्शन एण्ड प्रिवेन्शन अगेनस्ट बर्ड एण्ड मंकी मेनस ओवर जयपुर डिवीजन। **अनुमानित लागत (रू) :** 2,88,50,852.92 **बिड सिक्युरिटि राशि (रू) :** 2,94,300.00 **निविदा खोलने की तिथि :** 30.09.2025 **क्र.सं. 2. एनआईटी संख्या :** ईएल–टीआरडी–जेपी–2025–26–08 **कार्य का नाम :** इलेक्ट्रिफिकेशन ऑफ न्यू एण्ड इग्ज़िस्टिंग टीएम साइडिंगस ओवर जयपुर डिवीजन । **अनुमानित लागत (रू) :** 4,17,03,032.42 **बिड सिक्युरिटि राशि (रू) :** 3,58,500.00 **निविदा खोलने की तिथि :** 30.09.2025 **नोट : ई–निविदा की अंतिम तिथि एवं समय :** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक **ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे बाद **सम्पूर्ण जानकारी के लिये वेबसाइट का पता :** http://www.ireps.gov.in **1124-CR/25**

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

रेलवे और एचईसी से अतिक्रमण अभियान रुकवाएं बाबूलाल : झामुमो

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर एचईसी और रेलवे के अतिक्रमण हटाओ अभियान तथा डीएमएफटी फंड अनियमितता के आरोपों को लेकर मंगलवार को तीखा हमला बोला। प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बाबूलाल मरांडी या तो जानकारी के अभाव में हैं या साजिश के तहत राज्य सरकार की छवि खराब करने का षड्यंत्र रचना चाह रहे हैं। अतिक्रमण हटाने में सरकार की भूमिका नहीं है। सुप्रियो ने स्पष्ट किया कि साउथ ईस्टर्न रेलवे और एचईसी ने अपनी जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए जिला प्रशासन से सहयोग मांगा था। विधि-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार का दायित्व है। इसलिए, जिला प्रशासन ने सहायता प्रदान की। उन्होंने सवाल उठाया कि इसमें राज्य सरकार कहां से आ गई?

पुलिस अधीक्षक, लोहरदगा (झारखण्ड)

कांड की पीड़िता/अपहृता सीता उराँव एवं पीड़िता की 07 वर्ष के बच्चे की बरामदगी

सर्व साधारण का सूचित किया जाता है कि कांड की पीड़िता / अपहृता सीता उराँव पति–सुनिल उराँव, सा0–चरहू थाना–बगडू, जिला–लोहरदगा उम्र–करीब 25 वर्ष, लंबाई–करीब 5 फीट 3 इंच, रंग– सॉवली, पहनावा–लाल सफेद रंग का सलवार सूट पहनी हुई एवं पैर में लाल रंग का हवाई चप्पल पहनी हुई एवं पीड़िता की 07 वर्ष के बच्चे की बरामदगी अभी तक नही हो पायी है। इस संदर्भ में बगडू थाना काण्ड संख्या–09 / 2025 दिनांक–09.04.2025, धारा– 137(2) / 143 बी0एन0एस0 दर्ज है। पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी अबतक कांड की पीड़िता / अपहृता सीता उराँव एवं पीड़िता की 07 वर्ष के बच्चे की बरामदगी नहीं हो पाया हैं। यदि किसी भी व्यक्ति को कांड की पीड़िता / अपहृता सीता उराँव एवं पीड़िता की 07 वर्ष के बच्चे के बारे में कोई भी जानकारी हो तो अद्योहस्ताक्षरी को निम्नलिखित पते पर सूचित करने की करने की कृपा करें।

(श्री सादिक अनवर रिजवी)
पुलिस अधीक्षक,
लोहरदगा।

PR 361453 Lohardaga(25-26)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल संख्या–1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा / कोटेशन आमंत्रण सूचना–67 / 2025–26

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल सँख्या–1,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 15.09.2025 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 16.09.2025 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 16.09.2025 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यो का विवरण :

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Renovation of Compound wall in Campus of Speaker Residence at Kanke Road Ranchi	1633250	32700	5000	One Month
2	Renovation of D type Quarter Officer's Flat No-07/12 Behind Nepal House, Doranda Ranchi	1988000	39800	5000	One Month
3	Renovation of Main Building, Out House and Compound wall in 5 Set Quarter No-5 (Occupied by Sri Shashi Ranjan, IAS) at Mayer's Road, Ranchi	1709200	34200	5000	One Month
4	Renovation of Outer Surface, Drain and Compound wall in JAC Hostel at Booty Road Ranchi	1554500	31100	5000	One Month
5	Renovation of F type Staff Quarter N0-16 Near Central School at Doranda Ranchi (High Court Pool)	1690550	33900	5000	One Month
6	Renovation of D type Officer Flat No-7/18, 18 Set at Nepal House, Doranda Ranchi	1884200	37700	5000	One Month

नोट :– निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्ल संख्या–1, राँची।

PR 361464 (Building) 25-26 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

बेहाल नेपाल

नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन लगाने के बाद उग्र हुआ आंदोलन आखिरकार संवैधानिक संकट में बदल गया और सरकार गिरने का कारण बना। यहां तक कि मंत्रियों के बाद प्रधानमंत्री के.पी. ओली तक को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। उग्र युवाओं ने संसद, सुप्रीम कोर्ट, मंत्रियों के आवास व कुछ मीडिया हाउस को भी निशाना बनाया। भले ही तात्कालिक रूप से सोशल मीडिया पर बैन को हिंसा की वजह बताया जा रहा हो, लेकिन यह प्रतिक्रिया तात्कालिक नहीं थी। युवाओं की दशकों की हताशा और राजनीतिक कदाचार, काहिली व निरंकुशता के चलते गुस्सा नेपाल की सड़कों पर लावा बनकर फूटा है। नेपाल सरकार की सख्ती से आंदोलनकारियों के दमन ने आग में घी का काम किया। नेपाल की राजनीति में अवसरवाद व राजनीतिक अस्थिरता ने भी सरकारों के प्रति युवाओं के आक्रोश को बढ़ाया है। विडंबना देखिए कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं। बहरहाल इस हिंसक प्रतिकार में 19 से अधिक युवाओं को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। दरअसल, शुरूआत में सोशल मीडिया साइटों पर एक विवादास्पद प्रतिबंध ने युवा नेतृत्व वाले जेन-जेड समूह के गुस्से को भड़का दिया। यह समूह सत्ता के शीर्ष पदों पर कथित भ्रष्टाचार और उनकी संतानों के विलासी जीवन के खिलाफ अभियान चला रहा था। इस युवा ब्रिगेड ने लोकप्रिय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके दावा किया कि मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की संतानों की फिजूलखर्ची भरी जीवनशैली अवैध धन-दौलत की बदौलत है। इस पोल-खोल अभियान से घबरायी सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का असफल प्रयास किया। सरकार का यह दांव उस पर ही उलटा पड़ा और सरकार की ही विदाई हो गई। हालांकि, युवाओं का आक्रोश देखते हुए सरकार ने प्रतिबंध हटाने की घोषणा की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। वैसे इस आंदोलन के दौरान जिस तरह हिंसा, आगजनी व तोड़फोड़ हुई, वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जाएगी। युवाओं की हिंसक भीड़ ने मंगलवार को संसद, सर्वोच्च न्यायालय, राजनीतिक दलों के कार्यालयों और मंत्रियों के घरों को निशाना बनाया। दरअसल, आंदोलनकारी शासन व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते रहे हैं। उनकी मांग रही कि सोमवार को पुलिस गोलाबारी में हुई मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा दी जाए। अराजकता और अव्यवस्था के बीच, काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर, बालेन शाह, एक प्रभावशाली हितधारक के रूप में उभरे हैं। इस पैंतीस वर्षीय पूर्व रैपर ने भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करके जेन-जेड का विश्वास जीता है। उन्होंने संसद भंग करने की मांग की है। जिसके बाद सैन्य अधिकारियों और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत हुई। निस्संदेह, मौजूदा वक्त में सेना की बड़ी भूमिका होने के बाद अब उसके व सुरक्षा एजेंसियों के लिये तात्कालिक चुनौती अस्थिर स्थिति पर नियंत्रण और सामान्य स्थिति को बहाल करने की होगी। आने वाले दिनों में व्यवस्थागत सुधारों के रोडमैप पर चर्चा के साथ बातचीत के जरिये संकट का समाधान करना प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, ओली और उनके पूर्ववर्तियों की नीतियों की विफलता ने युवाओं में निराशा व मोहभंग को बढ़ावा दिया है। वहीं इस उथल-पुथल के मूल में नेपाली अर्थव्यवस्था का संकट भी है, जो पर्यटन और प्रवासी नागरिकों द्वारा भेजी जाने वाली रकम पर निर्भर रही है। विडंबना यह है कि इन दोनों स्रोतों में पिछले वर्षों में कमी आई है। बेरोजगारी दर का बीस फीसदी के आसपास होना युवाओं के आक्रोश को तार्किक बनाता है। दरअसल, सरकार युवाओं की उम्मीदों की कसौटी पर खरा उतरने में नाकाम ही रही है। आये दिन नेताओं द्वारा किए जाने वाले वायदों से खिन्न युवा धरातल पर बदलाव देखना चाहते हैं। बहरहाल, मौजूदा उथल-पुथल ने नेपाल को एक नई शुरूआत करने का अवसर जरूर दिया है। वहीं भारत के लिये भी यह सचेतक घटनाक्रम है कि उसके पड़ोस में श्रीलंका, बांग्लादेश के बाद नेपाल में जनाक्रोश में विदेशी जमीन से संचालित सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका रही है। युवाओं की आकांक्षाओं और रोजगार की चुनौती को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, सोशल मीडिया ने युवाओं की आकांक्षाओं को सातवें आसमान पर पहुंचाया है और हकीकत में हमारा धरातल खासा खुरदरा है।

सुनवाई से अलग होना

हाल के दिनों में देश की विभिन्न अदालतों में न्यायिक सुनवाई से अलग होने की घटनाओं में लगातार वृद्धि असहज करने वाली ही है। हालांकि, निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिये सुनवाई से अलग होना एक स्थापित सुरक्षा उपाय है, लेकिन जिस तरह इसका इस्तेमाल और संप्रेषण किया जाता है, उसने कई चिंताजनक प्रश्न तो खड़े किए ही जा सकते हैं। देश के राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण यानी एनसीएलएटी के एक प्रकरण, जहां एक सदस्य ने खुलासा किया कि वह एक मामले से खुद को अलग कर रहा है क्योंकि एक उच्च न्यायिक व्यक्ति ने उसे एक पक्ष का पक्ष लेने के लिये संपर्क किया था, ने इस प्रक्रिया में विश्वास को ठेस पहुंचायी है। हाल ही में, शीर्ष अदालत के न्यायाधीश एमएम सुंदरेश ने बिना कोई कारण बताए दलित-अधिकार वकील सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इससे पहले भी, कर्नाटक उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव ने संस्था से संबंधों का हवाला देते हुए एनएलएसआईयू ट्रांसजेंडर आरक्षण अपील से खुद को अलग कर लिया था। यहां तक कि मुख्य न्यायाधीशों- संजीव खन्ना ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति मामले में और बी.आर.गवई ने एक आंतरिक न्यायिक जांच मामले में खुद को अलग कर लिया था। निस्संदेह, इस तरह की असंगतता पारदर्शिता के बारे में मिले-जुले संकेत देती है। जो जनमानस में इस बाबत नये विमर्श को जन्म देता है। इसमें दो राय नहीं कि इस संबंध में कानून में स्पष्टता की दरकार है। सुनवाई से अलग होने के लिये कोई संहिताबद्ध ढांचा नहीं है। यहां उल्लेखनीय है कि मई 2025 में, सर्वोच्च न्यायालय ने एक समान नियम बनाने की याचिका को यह कह कर खारिज कर दिया था कि सुनवाई से अलग होना व्यक्तिगत विवेक का मामला है। ऐसे मामलों में न्यायिक स्वतंत्रता ऐसी स्वायत्तता की मांग करती है, वहीं अस्पष्टता जनता के विश्वास को कमजोर करती है। निस्संदेह, जनसाधारण की न्यायिक व्यवस्था में आस्था मजबूत करने के लिये न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए भी दिखना चाहिए। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में, सुनवाई से अलग होने के मामले केवल न्यायिक मूल्यों के पुनर्कथन और न्यायिक आचरण के बैंगलौर सिद्धांतों जैसी नरम-कानून संहिताओं द्वारा निर्देशित होते हैं। वास्तव में वे कारणों का खुलासा करने का कोई बाध्यकारी दायित्व तय नहीं करते। इसका परिमाण ही असमान व्यवहार है। इस बाबत कुछ न्यायाधीश तो स्पष्टीकरण देते हैं, जबकि कई अन्य ऐसे मामलों में खामोशी धारण कर लेते हैं। निस्संदेह, ऐसी परंपराओं से जन साधारण में अटकलों और न्यायिक प्रक्रिया में देरी को बढ़ावा ही मिलता है। इस दिशा में एक मध्य मार्ग भी संभव है। न्यायालय न्यूनतम प्रकटीकरण मानक अपना सकते हैं। आदेश पत्र पर एक पंक्ति की ह्यकारण श्रेणीह्व और एक केंद्रीय सुनवाई रजिस्टर की व्यवस्था की जा सकती है। इस प्रकार से कुछ हल्के-फुल्के सुधार न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा ही करेंगे। सही मायनों में खामोशी, खासकर संवेदनशील मामलों में, अब तटस्थ नहीं रही।

स्वामी विवेकानंद: पश्चिमी जगत को सनातन धर्म की विशिष्टता को लेकर शिक्षित किया

स्वामी विवेकानंद एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ विचारवंत और तर्कवादी भी थे। 1893 में शिकागो में प्रथम विश्व धर्म संसद में उन्होंने प्रतिष्ठित पश्चिमी श्रोताओं के समक्ष उत्कृष्ट भाषण दिया, जिसमें उन्होंने उपनिषदों की शिक्षाओं और भारतीय दर्शन की नींव के बारे में अपनी समझ का प्रदर्शन किया।

पंकज जगन्नाथ जयसवाल

स्वामी विवेकानंद का सबसे बड़ा योगदान पश्चिमी जगत को सनातन धर्म के अंतर्गत दर्शन के सबसे प्रमुख अंग, अद्वैत वेदांत की गहनता और विशिष्टता से परिचित कराना था। उन्नीसवीं सदी के अंतिम दस वर्षों में पश्चिमी लोगों ने ईसाई धर्म पर संदेह करना शुरू कर दिया और पूर्वी ज्ञान की ओर रुख करने लगे। उसी काल में थियोसोफिकल सोसाइटी का उदय हुआ, जिसने धर्म और विज्ञान के उच्चतम मानकों को अपनाने का दावा किया। यह इतनी प्रसिद्ध हो गई कि इसके सदस्यों की सूची दुनिया के शीर्ष लोगों की सूची जैसी हो गई।

स्वामी विवेकानंद एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ विचारवंत और तर्कवादी भी थे। 1893 में शिकागो में प्रथम विश्व धर्म संसद में उन्होंने प्रतिष्ठित पश्चिमी श्रोताओं के समक्ष उत्कृष्ट भाषण दिया, जिसमें उन्होंने उपनिषदों की शिक्षाओं और भारतीय दर्शन की नींव के बारे में अपनी समझ का प्रदर्शन किया। श्रोताओं में से कई लोगों ने सोचा कि भारतीय दर्शन, वैज्ञानिक तर्कसंगतता का त्याग किए बिना, मानवता की परम सत्य की खोज का अंतिम समाधान प्रस्तुत करता है, क्योंकि उन्होंने अपने संदेश को, जो आध्यात्मिक और तार्किक दोनों था, कुशलता से व्यक्त किया।

स्वामी विवेकानंद की प्रमुख उपलब्धियों में से एक हिंदू धर्म को एक सच्ची पहचान, अपनापन और सम्पूर्णता प्रदान करना था। स्वामीजी के आगमन से पहले, कुछ ही संगठन थे, जो सभी एक-दूसरे पर प्रभुत्व का दावा करते थे और अनिवार्य रूप से स्वतंत्र थे। इनमें से किसी भी समूह के पास हिंदू धर्म की ठोस समझ का आधार नहीं था। भगिनी निवेदिता, स्वामी विवेकानंद के संपूर्ण कार्यों की प्रस्तावना में कहती हैं: ₹यह कहा जा सकता है कि धर्म संसद के समक्ष स्वामी का भाषण जब उन्होंने शुरू किया था, ₹हिंदुओं की धार्मिक अवधारणाओं₹ के बारे में था, लेकिन जब तक उन्होंने इसे समाप्त किया, तब तक हिंदू धर्म स्थापित हो चुका था। पहली बार, स्वामी विवेकानंद ने दिखाया कि हिंदू धर्म के समग्र सिद्धांत सार्वभौमिक हैं। हिंदू धर्म का अनूठा स्वरूप इन्हीं मूल सिद्धांतों से निकला है। स्वामी विवेकानंद ने हिंदू धर्म की एकता और विशिष्टता का निर्माण किया। अमेरिका की यात्रा करने वाले पश्चिम के पहले हिंदू मिशनरी बनने, 1893 की धर्म संसद में हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व करने और पश्चिम में हिंदू धर्म की शिक्षा देने के बाद, स्वामीजी हिंदू धर्म के एकीकरण के प्रतीक बन गए। उन्होंने हिंदू भाईचारे को प्रोत्साहित किया, लोगों को उनकी साझी विरासत की याद दिलाई और अपने लेखन और प्रवचनों के माध्यम से हिंदू चेतना को उन्नत किया। स्वामीजी की बदौलत हिंदुओं में 'साझा समुदाय' की भावना विकसित हुई। विद्वान के. एम. पणिक्कर के अनुसार, इस नए शंकराचार्य को हिंदू सिद्धांत के एकीकरणकर्ता के रूप में देखा जा सकता है। स्वामीजी की बदौलत हिंदू धर्म सक्रिय और वैश्विक बना। उन्होंने हिंदू समुदाय में एक मिशनरी भावना का संचार किया। उनकी कामना थी कि भारत की प्राचीन आध्यात्मिक शिक्षाओं से सभी प्रबुद्ध हों और उनका प्रसार पूरे विश्व में हो। उन्होंने कहा, ₹उठो भारत, और अपनी आध्यात्मिकता का उपयोग विश्व पर विजय पाने के लिए करो।

अधिवेशन में संबोधन, शिकागो, 11 सितंबर 1893

मुझे उस धर्म का हिस्सा होने पर गर्व है जिसने सभी को सहिष्णुता और स्वीकृति की शिक्षा दी है। सभी धर्मों को सत्य मानने के अलावा, हम सार्वभौमिक सहिष्णुता में भी विश्वास करते हैं। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि मैं एक ऐसे धर्म का सदस्य हूँ जहाँ ₹ए७ू'४३ङ्कल्लर₹ शब्द का अनुवाद पवित्र भाषा संस्कृत में नहीं किया जा सकता। एक ऐसे राष्ट्र का हिस्सा होना, जिसने सभी देशों और धर्मों के शरणार्थियों और सताए गए लोगों को शरण दी है, मुझे गौरवान्वित करता है। मुझे यह कहते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि हमने अपने हृदय में उन पवित्रतम इस्राएलियों को समाहित किया है, जो उस वर्ष या वर्षों में दक्षिणी भारत में आकर हमारे साथ शरण ली थी जब रोमन अत्याचार ने उनके पवित्र मंदिर को नष्ट कर दिया था। मैं उस धर्म का हिस्सा बनकर गौरवान्वित हूँ, जिसने प्राचीन पारसी देश के अंतिम निवासियों की रक्षा की है और उनका समर्थन करना जारी रखा है। स्वामी विवेकानंद ने 11 मार्च, 1898 को कलकत्ता के स्टार थिएटर में एक सभा की अध्यक्षता की, जिसमें सिस्टर निवेदिता (मिस एम. ई. नोबल) ने ₹इंग्लैंड में भारतीय आध्यात्मिक विचारों का प्रभाव₹ विषय पर एक व्याख्यान दिया। मिस नोबल का परिचय देने के लिए स्वामी विवेकानंद ने उठते हुए इस प्रकार कहा: पूर्वी एशिया की यात्रा के दौरान एक बात जो मुझे विशेष रूप से प्रभावित करती है, वह यह है कि इन देशों में भारतीय आध्यात्मिक अवधारणा कितनी व्यापक है। आप कल्पना ही कर सकते हैं कि चीन और जापान के मंदिरों की दीवारों पर कुछ प्रसिद्ध संस्कृत मंत्र लिखे देखकर मुझे कितना आश्चर्य हुआ होगा। शायद आपको यह जानकर और भी खुशी होगी कि वे सभी प्राचीन बंगाली लिपि में लिखे गए थे और वे आज भी हमारे बंगाली पूर्वजों के मिशनरी उत्साह और ऊर्जा के प्रमाण के रूप में मौजूद हैं।

निष्कर्ष

भारतीय युवाओं को स्वामीजी के धर्म और राष्ट्र के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए गहराई से अभिव्यक्ति के लिए आगे आना चाहिए। स्वामीजी के हर शब्द ने हिंदू धर्म और उस राष्ट्र पर गर्व महसूस कराया जिसने विश्व को आध्यात्मिक, वैज्ञानिक, और दीर्घकालिक विकास के लिए मानवता और पर्यावरणीय संतुलन विचारों के साथ प्रगति करने में मदद करने के लिए अद्भुत ज्ञान प्रदान किया।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अकेलेपन से आत्महत्या तक: मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने का समय

इस दिवस की शुरूआत इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है।

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशनह्व (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2025 की थीम है ह्यआत्महत्या पर कहानी बदलनाह्व। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता। मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महादेव के वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का अनोखा

झारखंड के देवघर में भगवान शिव का पवित्र और भव्य मंदिर स्थित है। हर साल सावन के महीने में यहां पर श्रावण मेला लगता है। इस दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। वहीं सुल्तानगंज से पवित्र गंगा का जल लेकर श्रद्धालु करीब 100 किमी तक कांवड़ उठाकर भोलेबाबा को जल चढ़ाते हैं। इस दौरान यहां की आध्यात्मिक आभा देखने लायक होती है। बता दें कि इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी है। तो आइए जानते हैं भोलेनाथ को समर्पित इस फेमस मंदिर के बारे में.

लंका में होता यह ज्योतिर्लिंग

पौराणिक कथाओं के मुताबिक रावण ने हिमालय पर जातक भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या की थी। जिसके बाद उसने एक-एक कर-के अपने 9 सिर काटकर शिवलिंग पर अर्पित कर दिए। जब रावण अपना आखिरी सिर काटने वाला था, तो भगवान शिव ने उससे प्रसन्न होकर वरदान मांगने के लिए कहा। तब रावण ने शिवलिंग को लंका में स्थापित करने की आज्ञा मांगी। भगवान शिव ने उसको लिंग देकर कहा कि इसको जहां भी रख दिया जाएगा, यह शिवलिंग वहीं स्थापित हो जाएगा। यह जानकर सभी देवता परेशान हो गए। क्योंकि रावण पहले से ही काफी ज्यादा शक्तिशाली था।

अगर रावण वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग को लंका ले जाकर स्थापित कर लेता तो उसकी शक्ति अधिक बढ़ जाती। वहीं रावण अपने घमंड और अभिमान में देवताओं के लिए खतरा बन जाता और दुनिया में अशांति और अराजकता का माहौल बना सकता है।

भगवान विष्णु ने रची लीला

भगवान श्रीहरि विष्णु को जब रावण की इस योजना का पता चला, तो उन्होंने रावण को शिवलिंग को लंका ले जाने से रोका। भगवान विष्णु ने वरुण देव को आदेश दिया कि वह रावण को शिवलिंग को लंका ले जाने से रोकें।

जब रावण ज्योतिर्लिंग को लेकर रास्ते में था, तो उसको लघुशंका लगी। इस दौरान उसको एक ग्वाला दिखाई दिया। तब रावण ने उसको बुलाया और शिवलिंग थमा दिया और खुद लघुशंका के लिए चला गया। जब रावण वापस लौटा तो देखा कि ग्वाला शिवलिंग वहां रखकर कहीं चला गया।

स्थापित हो गया ज्योतिर्लिंग

इसके बाद रावण ने शिवलिंग को उठाने का बहुत प्रयास किया। लेकिन वह सफल नहीं हो सका। इधर ब्रह्मा, भगवान विष्णु और अन्य देवताओं ने आकर शिवलिंग की पूजा की। उस स्थान पर ज्योतिर्लिंग की प्रतिस्थापना की और शिव स्तुति करके वापस स्वर्ग चले गए। मान्यता है कि वैद्यनाथ-ज्योतिर्लिंग मनोवांछित फल देने वाला है। इसलिए इस शिवलिंग को कामना लिंग भी कहा जाता है।

टिप्स

लगातर होने वाला सिरदर्द या माइग्रेन से परेशान हैं तो जरुर करें ये योगा

हम सभी सिरदर्द और माइग्रेन की समस्या से जूझते रहते हैं। लेकिन इसके लिए कुछ उपाय करते नहीं है। अगर आप माइग्रेन को कंट्रोल करना चाहते हैं, तो आप कुछ योग जरुर करें। माइग्रेन सिरदर्द के लिए कुछ विशेष योगासन बहुत लाभकारी हो सकते हैं। ये आसन शरीर और मन को शांत करने, तनाव को कम करने और रक्त संचार को सुधारने में मदद करते हैं। बता दें कि, माइग्रेन केवल सिर दर्द ही नहीं बल्कि मतली, धुंधली दृष्टि, गंध, प्रकाश या ध्वनियों के प्रति असंवेदनशील बन जाता है। माइग्रेन की समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है लेकिन यह 18 से 44 वर्ष के लोगों को अधिक परेशान करती है। जानकारी के मुताबिक पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक माइग्रेन की समस्या होती है। इस आर्टिकल में हम आपके लिए कुछ योगसन बताने जा रहे हैं, जिन्हें करने से आपको माइग्रेन में काफी आराम मिलेगा।

पद्मासन : हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप माइग्रेन की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आप पद्मासन योग कर सकते हैं। यह योग करने से मस्तिष्क को शांत बना रहता और ध्यान में बढ़ाने में काफी असरदार है। पद्मासन करने से मानसिक और शारीरिक दोनों ही तरह से हेल्थ के लिए बढ़िया होता है।

बालासन : माइग्रेन के दर्द को कम करने के लिए बालासन योगा काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। बालासन तंत्रिका तंत्र को शांत करने वाला योगासन है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, बालासन करने से आपका मन शांत रहेगा, आपकी चिंता खत्म हो जाएगी।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

सूर्य सिंह बेसरा ने उठाया वृहद झारखंड और स्थानीय नीति का मुद्दा, आंदोलन की दी चेतावनी

संवाददाता

रांचीः राज्य में एक बार फिर वृहद झारखंड और स्थानीय नीति की मांग तेज हो गई है। झारखंड समन्वय समिति के प्रमुख सूर्य सिंह बेसरा ने प्रेस क्लब में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में प्रस्तावित वृहद झारखंड में पश्चिम बंगाल, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों को शामिल करने की बात थी, लेकिन समय के साथ यह मुद्दा भुला दिया गया, अब समिति ने इन क्षेत्रों को झारखंड में शामिल करने की लड़ाई फिर से छेड़ने का निर्णय लिया है।सूर्य सिंह बेसरा ने कहा कि इसके लिए बिहार में होनेवाले चुनाव के दरम्यान भागलपुर, बांका, जमुई जैसे इलाके में

प्रत्याशी दिया जाएगा।

आंध्र प्रदेश की तर्ज पर लागू हो स्थानीय नीति

पूर्व विधायक सह झारखंड आंदोलनकारी सूर्य सिंह बेसरा ने झारखंड में आंध्र प्रदेश जैसी स्थानीय नीति लागू करने की मांग करते हुए कहा कि राज्य की मातृ भाषाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, न कि हिंदी को। साथ ही उन्होंने अब तक नियोजन नीति नहीं बनाए जाने पर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने नेताओं और मंत्रियों के बाहर इलाज कराने पर सवाल उठाते हुए कहा कि 25 वर्षों में राज्य में एक भी मॉडल अस्पताल नहीं बन सका और फ्लाइटर-2 के निर्माण की बातें अब भी अधूरी हैं।

झारखंड में संपूर्ण शराब बंदी लागू करने की मांग

सूर्य सिंह बेसरा ने राज्य में संपूर्ण शराब बंदी लागू करने की मांग करते हुए कहा कि बिहार की तरह झारखंड में भी शराब बंदी होनी चाहिए। उन्होंने इसके दुष्परिणाम के प्रति चिंता जताते हुए कहा कि आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में आदिवासी महिलाएं शराब बेचेंगी, यह नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि शराब नीति का विरोध होगा, क्योंकि गुरुजी शिबू सोरेन ने भी कहा था कि शराब बंदी करो और जल-जंगल-जमीन वापस करो, लेकिन सरकार गांव-गांव में शराब बेचना चाहती है। जिसे नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड समन्वय समिति के बैनर तले आने वाले समय में 20 सूत्री कार्य योजना बनाई गई है, जिस पर आंदोलन किया जाएगा।

सुरक्षा और रखरखाव में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : उपायुक्त

एजेंसी

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती ने समहरणालय स्थित ईभीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस में रखे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व प्रबंधन का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से मूल्यांकन किया और सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सुरक्षा और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उपायुक्त ने वेयरहाउस में फायर सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता और सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की। साथ ही, उन्होंने कमीर्यों को नियमित अंतराल पर प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए ईभीएम की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए।

मौके पर, अपर समाहर्ता गौतम भगत, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

जनता दरबार से प्रशासन और जनता के बीच विश्वास हुआ और मजबूत

साहिबगंज : जिला में प्रशासन और जनता के बीच विश्वास का रिश्ता लगातार गहरा होता जा रहा है। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार ने एक बार फिर यह साबित किया कि यह पहल अब लोगों की उम्मीदों का केंद्र बन चुकी है।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में ग्रामीण एवं शहरी नागरिक उपस्थित हुए और अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। भूमि विवाद, पेंशन भुगतान, पेयजल संकट, स्वास्थ्य सेवाएं, बिजली आपूर्ति, शिक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न विभागीय मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं।उपायुक्त श्री सती ने प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई का निर्देश देते हुए साफ शब्दों में कहा कि झ ह्लजनहित से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य है हर नागरिक को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणव त्तापूर्ण समाधान उपलब्ध कराना।उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभागों को अपनी कार्रवाई की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से उपायुक्त कार्यालय को सौंपनी होगी, ताकि मॉनिटरिंग और पारदर्शिता बनी रहे। अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि समस्याओं के निस्तारण में देरी या औपचारिकता स्वीकार्य नहीं होगी।जनता दरबार में जिला नियोजन पदाधिकारीझसहझजन सूचना कोषांग प्रभारी मनोज मनजीत भी उपस्थित रहे। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ज्ञात हो कि साहिबगंज में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जनता दरबार आयोजित किया जाता है। इस व्यवस्था ने प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को नई दिशा दी है। लोग बिना किसी मध्यस्थ के अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन तक पहुँचा रहे हैं। इससे जहां शासन और जनता के बीच संवाद मजबूत हुआ है, वहीं विश्वास भी गहरा हुआ है। कि प्रशासन उनकी समस्याओं को सुनने और समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है।जनता दरबार की बढ़ती लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण उपायुक्त हेमंत सती की सरल, संवेदनशील और जवाबदेह कार्यशैली है। वे न केवल हर शिकायतकर्ता से धैर्यपूर्वक मिलते हैं।बल्कि यह भी सुनिश्चित करते हैं कि किसी भी समस्या का समाधान केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से हो।

पैसा डबल करने के नाम पर ठगी, शिकंजे में आया शातिर दंपती

जमशेदपुरः पुलिस ने करोड़ों रुपए के ठगी करने वाले एक दंपती को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में सिटी एसपी ने बताया कि गिरफ्तार दंपती द्वारा रुपए डबल करने के नाम पर पैसे की ठगी की जाती है। जमशेदपुर पुलिस ने लोगों से रुपए डबल करने के नाम पर ठगी करने वाले एक दंपती को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चंद्रभूषण सिंह और उनकी पत्नी प्रियंका सिंह बिहार के वैशाली जिला के रहने वाले हैं। साल 2022 से पुलिस उनकी तलाश में छापेमारी कर रही थी लेकिन ये दंपती जगह बदल-बदलकर अलग-अलग राज्यों के शहर में अपना ठिकाना बनाते थे।

जमशेदपुर के साकची थाना के अलावा और कई अन्य थाना में दंपती के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज है। जिसमें सबसे ज्यादा मामला साकची थाना का है। बता दें कि गिरफ्तार दंपती द्वारा रुपए डबल करने के नाम पर लोगों से पैसे लिए जाते थे। इनके खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, षडयंत्र और अन्य कई मामले थाना में दर्ज हैं। चन्द्रभूषण सिंह मैक्सीजोन टच प्राइवेट लि। नाम के कंपनी के नाम पर देशभर में हजारों लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई है। इस मामले का खुलासा करते हुए जमशेदपुर सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि गिरफ्तार पति-पत्नी की तलाश 2022 से की जा रही थी। जमशेदपुर में कई लोगों से ठगी का मामला सामने आया तो उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि पति-पत्नी राजधानी एक्सप्रेस से दिल्ली से भुवनेश्वर की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस झारखंड के धनबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 से चंद्रभूषण सिंह और उनकी पत्नी प्रियंका सिंह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दंपती को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। जमशेदपुर लाने के बाद पूछताछ की गई। जिसमें इनके द्वारा बताया गया कि यह देश के अलग-अलग राज्यों के शहर में अपना ठिकाना बनाते थे। वहां अपनी कंपनी के जरिए रुपए डबल करने के नाम पर लोगों से बड़ी रकम लेते थे। जब रकम वापस करने में देरी होती थी तो रुपये देने वाले व्यक्ति द्वारा जब प्रेशर बनाया जाता था। तब ये लोग कुछ रुपए देकर मामला रफादफा करने की बात कहते थे। उस व्यक्ति को केस वापस लेने की अपील करते थे। इनके द्वारा 50 से 100 करोड़ तक की ठगी की गई है। इनकी गिरफ्तारी के बाद और भी कई लोग सामने आए हैं। जो इनकी ठगी के शिकार हुए हैं।

अगर पार्टी मुझे मौका देती है तो मैं लोगों का आवाज बनूंगा : तैमूर

साहिबगंजः संगठन सृजन अभियान 2025 के तहत साहिबगंज कांग्रेस जिला अध्यक्ष चयन को लेकर जिले के विभिन्न प्रखंडो मे एआईसीसी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक टोकिया प्रभु,प्रदेश पर्यवेक्षक व अल्प संख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम और साहिबगंज जिला प्रभारी सह प्रदेश उपाध्यक्ष मणि शंकर बैठक कर कार्यकताओं से राय मशवरा कर रहे हैं।वही बरहेट कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष तैमूर अंसारी ने साहिबगंज कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद पर अपना दावा ठोकते हुए साहिबगंज सर्किट हाउस में पर्यवेक्षक टोकिया प्रभु को आवेदन पत्र दिया।इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष तैमूर अंसारी ने कहा कि वह माइनॉरिटी अंतर्गत अंसारी जाति से आता हूँ।जो लगभग 60% है।मूझे आदिवासी भाषा का ज्ञान है।कहा कि अगर पार्टी मुझे जिलाध्यक्ष बनने का मौका देती है तो मै दलित,आदिवासी,पिछड़ी,अल्पसंख्यकका आवाज बनूँगा।उन्होंने भरोसा दिलाया कि संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ आम लोगों की समस्याओ के समाधान के लिए वें हर स्तर पर संघर्ष करेंगे।उन्होंने कहा की वें राहूल गांधी की तरह मोहब्बत की दुकान खोलूंगा,जिला में मोहब्बत की पैगाम दूर- दूर गांवो तक पहुंचाउंगा।

यंग अचीवर्स अवार्ड से समानित होंगे झारखंड के युवा सामाजसेवी

संवाददाता

साहिबगंज : नेशनल इंतिग्रेटेड फार्म ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्तिविस्ट की सित्वर जुबली कार्यक्रम मे 21 सितम्बर से 24 सितम्बर 2025 तक नई दिल्ली भारत मंडपम और हरियाणा करनाल मे आयोजित होगा।देश सहित विदेशो से कुल तीन हजार समाज सेवी सम्मिलित होगे ।इस कार्यक्रम मे देश के 780 जिले से एक पुरुष और एक महिला समाजसेवी लगभग 1600 युवा समाजसेवी का चयन हुआ है। जिसमे तीन तरह के अर्वाड श्रेणी मे बाटा गया है।1जिला स्तर 2 राज्य स्तर 3 राष्ट्रीय स्तर । इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मॉरिसस के महामहिम राष्ट्रपति होगे।देश व विदेश की बड़ी हस्तियाँ ,केन्द्र व राज्य के केबिनेट मिनिस्टर इस कार्यक्रम मे शामिल होकर युवा समाज सेवी को नेशनल अवार्डी को पचास हजार,राज्य स्तर को दस हजार नगद के साथ मोमेंटो,वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉड लंदन एकसीलेंट

साटिफिकेट,यंग एचीवर्स अवार्ड से सामानित करेगे।निफा के विभिन्न राज्य शाखा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति होगी व निफा के राज्य शाखा व जिला के अध्यक्ष और सचिव सम्मिलित होगे।झारखंड से चयनित युवा समाजसेवी के नाम निम्नकिंत है।रामगढ़ से विधा भुषण,डॉ रजनी प्रिया , बोकारो से सैयद दानिश अराफत,सुम्मी कुमारी,धनबाद से गणेश शर्मा,सुरभि कुमारी,गिरिडिह से साहिल समीम , संध्या मिश्रा,जामतारा से मो सरफाज, सलोनी बिसरा,देवघर से धमेन्द्र तिवारी , प्रीति गुप्त,दुमका से जतिन तिवारी ,खुशबु कुमारी साहिबगंज से प्रशांत शेखर,ज्योति शर्मा,गोडा से जीतेन्द्र कुमार,भाग्यश्री शर्मा,पाकुड़ से चन्दन प्रसाद भगत,स्वास्तिका रानी,गढ़वा से विवेक तिवारी,पलामु से मनीष सोनी , खुंटी से प्रेम कुमार,सिमडेगा से भरत सिंह,वीना ज्योति कुमारी,गुमला से मनीष मिश्रा लातेहार से देशराज गोयल , लोहरदगा से दीक्षा कुमारी,राची से रंजन कुमार,फलक फातिमा,चतरा से सिमरन साह,कोडरमा से राम,हजारीबाग से अभिषेक रंजन,पायल बनर्जी,पूर्वी सिंहभूम से मो०अफरोज सुशीला साहु,पश्चिम सिंहभुम प्रधान विरुआ,इयो श्री दास,सरायकेला खरशावा से आकाश कुमार।

विकास के नाम पर प्राकृतिक से छेड़छाड़ न करे,पेड़ लगाकर पर्यावरण को हरा भरा रखे

संवाददाता

साहिबगंज : गंगा मिशन कोलकाता द्वारा आयोजित गंगा हरित अभियान के तहत मंगलवार को भरतीया कॉलोनी रोड स्थित बाबूलाल नंदलाल बोहरा चैरिटेबल ट्रस्ट परिसर में राजकीय कन्या मध्य विद्यालय बंगाली टोला व नगर पालिका कन्या मध्य विद्यालयसाहिबगंज की छात्राओं के बीच फलदार पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।विजय कुमार भारती,विद्यालय के शिक्षका सहित अन्य ने आम,लीची,आंवला का पौधा स्कूली छात्रों को देकर कार्यक्रम की शुरूआत की।शिक्षकगण ने अपने संबोधन में बताया कि प्राकृतिक आपदा जो आ रही है वो विकास के नाम पर प्राकृतिक से छेड़छाड़ करने पर हो रहा है।वृक्ष ही प्राकृतिक है,प्राकृतिक ही जीवन है।प्रत्येक वर्ष वृक्ष का जन्मदिन अवश्य मनाए।एक वृक्ष सौ पुत्र के समान है,कोरोना काल में हमलोगों ने ऑक्सीजन के महत्व को समझा।पेड़ पौधा लगाकर पर्यावरण वातावरण को हरा भरा रखे।वृक्ष नहीं होगा तो

बारिश नहीं होगा,भोजन नहीं मिलेगा।पानी की आवश्यकता वायु की आवश्यकता,खाने की आवश्यकता पेड़ पौधा से ही होता है। प्रतिदिन वृक्ष का सेवा करके उसको बड़ा करे,पहला फल का सेवन करे मन आनंदित होगा।पौधा से हरियाली के साथ साथ पक्षियों को रहने के लिए अपना घर मिलता है। वही पौधा वितरण कार्यक्रम में लगभग 300 स्कूली छात्र छात्राओं व आम जनो के बीच आम, नारियल,शरीफा,आंवला,कटहल, लीची, अमरूद, तूत,खिन्नी, बेल,मालबेरी सहित अन्य फलदार पौधा का वितरण किया गया है।वही स्कूली छात्राएं शिक्षिका की अगुवाई में हाथों में पौधा लेकर शहर भ्रमण करते हुए लोगों को पेड़ लगाने के प्रति जागरूक किया ओर एक पेड़ मां के नाम,पौधा लगाए जीवन बचाए, प्राकृतिक को हरा भरा रखे जैसे जागरूकता नारा लगाया।मौके पर बच्चन पाठक,अशोक सराफ,राजेश गुप्त,राजू पाठक,रतन अग्रवाल,राजेंद्र वर्मा,रवि भगत,चन्दन सिंह, सरस्वती शिशु विधा मंदिर के शिक्षक शिक्षिका सैकड़ों छात्र व गणमान्य लोग मौजूद थे।

स्कूल से लौटने के बाद स्कूल में हुए पढ़ाई के बारे में जानकारी हासिल करे : रानी

संवाददाता

साहिबगंजः राजस्थान मध्य विद्यालय के सभा हॉल में अभिभावक शिक्षक दिवस के रूप में बैठक आहूत की गई।जिसमें प्राचार्य रानी झा द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।बैठक मे मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद एवं समाजसेवी जयप्रकाश सिहां उपस्थित हुए कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए समाजसेवी जयप्रकाश सिहां ने कहा की अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए चार स्तंभों को मजबूत होना बहुत जरूरी है।प्रथम गुरु, द्वितीय अभिभावक,तृतीय प्रशासनिक सहयोग,और चौथा सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले प्रतिनिधि।इन चारों के समावेश से बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान की जा सकती है।उन्होंने कहा की आज सरकार

द्वारा सभी सरकारी स्कूलों में बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए भोजन से लेकर किताब,जूता-मौजा,ड्रेस,स्कॉलरशिप और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही ताकि बच्चों की जीवन में शिक्षा का विकास हो सके बच्चे अपने स्कूल में अव्वल नंबर पा कर स्कूल का नाम जिला व राज्य का नाम रोशन कर सके श्री सिन्हा ने कहा की आज मेधावी छात्रों पर सरकार व बैंक पढ़ाई के लिए लोन दे रही है ।जिससे छात्र आगे की पढ़ाई हासिल कर सके। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि आप अपने बच्चों को नियमित साफ सुथरे कपड़े पहनाकर,समय पर स्कूल भेजने का काम करें।स्कूल से लौटने के बाद स्कूल में हुए पढ़ाई के बारे में जानकारी हासिल करें साथ ही उसके स्कूल की उपस्थिति समय-समय पर स्कूल जाकर देखने का काम करें,जिससे बच्चों पर निगरानी बनी रहेगी और बच्चे का पढ़ाई के प्रति रुचि बड़ेगा।राजस्थान मध्य विद्यालय की प्राचार्य रानी झा अपने टीम के साथ मीना देवी,विभीषण पासवान चांदनी देवी सुबोध झा,इत्यादि सभी शिक्षकों का जो अवकाश प्राप्त कर चुके हैं।उसका बराबर सहयोग लेकर स्कूल की शिक्षा में सदैव सहयोग प्रदान करने का काम करती है।स्कूल का अनुशासन कायम रखने में पूरा टीम अपना सहयोग निरंतर देता आ रहा है।जिससे लगातार स्कूल के छात्र का पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ रहा है और खेल के क्षेत्र में कई ऐसे छात्र हैं।जिन्होंने मेडल हासिल किया है।और राज्य और नेशनल लेवल पर भी प्रतिभागी बनने की तैयारी में है, स्कूल में समाजसेवी मोती तंबाकू वाला का भी सहयोग रहा है। जिन्होंने बच्चों को अपने द्वारा दी गई सहयोग राशि से पारितोषिक वितरण किया।

मंईयां सम्मान योजना के लाभ को लेकर भटक रही है महिलाएं

संवाददाता

साहिबगंजःजिले की कई योग्य महिलाएं है। जिन्हें अभी तक मैया सम्मान योजना का लाभ नहीं मिल रहा हैइस योजना का लाभ लेने के लिए महिलाएं लगातार प्रखण्ड कार्यालय का चक्कर लगा रही है।मंगलवार को बरहरवा प्रखण्ड की दर्जनों महिलाओं ने जिला मुख्यालय पहुंचकर उपायुक्त से मिलकर इस योजना का लाभ देने का आग्रह किया है।उमा देवी ने बताया कि वे सभी गरीब,मजदूर,असहाय महिला है।उसे अभी तक झारखंड सरकार की मैया सम्मान योजना का लाभ नहीं मिला है।इसका लाभ पाने के लिए बरहरवा प्रखंड

का चक्कर लगा रही है।उन्होंने उपायुक्त से सभी महिलाओं को इसका लाभ देने का निवेदन किया है।मौके पर उमा देवी, सविता देवी देवकी देवी,पूनम देवी,कुंती देवी,ऊषा कुमारी गायत्री साह,पुष्पा देवी, चंद्रमुनि देवी,खुशबू देवी,जयंती देवी, वैजयंती देवी सहित कई महिला मौजूद थीं।

देवघर में नए समाहरणालय का निर्माण पूरा, पर रह गई कई खामियां

संवाददाता

देवघरः जिले को जल्द ही नया समाहरणालय मिलने वाला है। देवघर के तपोवन इलाके में नया समाहरणालय भवन बनकर तैयार हो गया है। वर्तमान में सत्संग चौक के पास स्थित पुराने समाहरणालय भवन में उपायुक्त से लेकर सभी विभागों के कार्यालय मौजूद हैं और वहीं पर सारी सरकारी काम होता है, लेकिन तंग जगह और भवन पुराना होने के कारण सरकार की पूरी व्यवस्था अब तपोवन स्थित नए कार्यालय में शिफ्ट होगी। इसको लेकर तैयारियां जोरों पर है।

53 करोड़ की लागत से हुआ है निर्माण

आपको बता दें कि तपोवन के पास करीब 55 करोड़ की लागत से नया समाहरणालय भवन बनाया गया है। जिसमें सभी विभागों के लिए कमरे आवंटित किए गए हैं। करीब 15 एकड़ में बने इस नए भवन में पदाधिकारियों के रहने की भी व्यवस्था की जा रही है।

निरीक्षण में पाई गई थी कई त्रुटियां

वहीं नए समाहरणालय भवन को लेकर देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि नया समाहरणालय भवन पूरी तरह से बनकर तैयार है, लेकिन अभी भी उसमें कुछ छोटी-छोटी कमियां रह गई हैं। जिसको लेकर संबंधित लोगों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान में जिला प्रशासन की तरफ से एक टीम गठित की गई है और उन्हें यह निर्देश दिया गया है कि भवन हैंडओवर होने से पहले पूरे भवन की अंतिम जांच कर लें।

उपायुक्त ने दी जानकारी

देवघर उपायुक्त ने कहा कि पिछले तीन महीने से भवन के हैंडओवर को लेकर चर्चा हो रही है, लेकिन निरीक्षण के बाद यह पाया गया कि अभी भी भवन में कई तरह की त्रुटियां हैं। जैसे लिफ्ट की व्यवस्था अभी तक बेहतर नहीं हुई है। इसके अलावा भी कई अन्य व्यवस्थाएं हैं जिसे दुरुस्त करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ महीने में सारी व्यवस्था पूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद सारे सरकारी कार्यालय तपोवन के नए समाहरणालय भवन में शिफ्ट हो जाएंगे।

सुदूरवर्ती क्षेत्र को लोगों को मिलेगी राहत

गौरतलब है कि तपोवन में नया समाहरणालय भवन शिफ्ट होने के बाद मोहनपुर, सारठ, सोनाराठाड़ी जैसे प्रखंडों में रहने वाले लोगों को भी राहत मिलेगी। वर्तमान में इन क्षेत्रों के लोगों को समाहरणालय तक पहुंचने के लिए लंबा सफर तय करना पड़ता है। अब देखने वाली बात होगी कि कब तक देवघर के सभी कार्यालय नए समाहरणालय भवन में शिफ्ट हो पाते हैं।

सलमान खान ने 'बैटल ऑफ गलवान' से शेयर की पहली झलक

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान हमेशा अपने दर्शकों के बीच किसी न किसी वजह से चर्चा में रहते हैं। एक ओर जहां वह टीवी के मशहूर रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी आने वाली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' ने भी दर्शकों की उत्सुकता को चरम पर पहुंचा दिया है। अब इस फिल्म के सेट से सलमान खान का पहला लुक सामने आ चुका है, जिसने इंटरनेट पर धूम मचा दी है। फौजी अवतार में सलमानसलमान ने सोशल मीडिया एक्स पर तस्वीर शेयर की है। शेयर की गई तस्वीर में वह सेना की वर्दी पहने नजर आ रहे हैं। उनके माथे से खून बहता हुआ दिखाई दे रहा है, जो इस बात का संकेत है कि फिल्म में दर्शकों को गहन और भावुक कर देने वाले एक्शन दृश्यों की झलक देखने को मिलेगी। तस्वीर में उनके सामने क्लैपबोर्ड भी दिखाई देता है, जिससे यह स्पष्ट है कि यह शूटिंग के दौरान का वास्तविक शॉट है। जैसे ही सलमान खान का यह फौजी लुक सामने आया, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उनके फैंस ने जमकर प्यार लुटाया। इंस्टाग्राम और फेसबुक पर हजारों लोगों ने उनकी इस तस्वीर को शेयर किया। प्रशंसकों का कहना है कि सलमान इस नए अवतार में बिल्कुल अलग और दमदार लग रहे हैं। कई यूजर्स ने उन्हें 'रियल हीरो' कहा, तो कुछ ने लिखा कि सलमान का यह लुक फिल्म को और भी खास बना देगा। इस फिल्म का निर्देशन बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। 'बैटल ऑफ गलवान' की एक और खासियत यह है कि इसमें पहली बार सलमान खान और अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह की जोड़ी बनी है। यह जोड़ी दर्शकों को स्क्रीन पर देखने के लिए उत्साहित कर रही है, क्योंकि दोनों पहले कभी किसी फिल्म में साथ नहीं नजर आए।

टाइगर श्रॉफ ने पॉश मुंबई के इलाके खार में स्थित बेचा अपना फ्लैट

बॉलीवुड के मशहूर एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि इस बार वजह उनकी कोई फिल्म या फिटनेस से जुड़ी खबर नहीं है, बल्कि उनका रियल एस्टेट डील है। खबर है कि टाइगर ने मुंबई के पॉश इलाके खार में स्थित अपना आलीशान अपार्टमेंट बेच दिया है और इस सौदे से उन्हें शानदार मुनाफा हुआ है। यह अपार्टमेंट खार के रुस्तमजी पैरामाउंट में स्थित था, जो शहर के सबसे लक्जरी और हाई-एंड रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट्स में गिना जाता है। टाइगर का यह अपार्टमेंट लगभग 1,989.72 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला हुआ था और इसके साथ 3 प्राइवेट पार्किंग स्पेस की भी सुविधा थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस संपत्ति की बिक्री सितंबर 2025 में पंजीकृत हुई थी। अपार्टमेंट की बिक्री पर 93.60 लाख रुपये स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में चुकाए गए। टाइगर ने यह अपार्टमेंट कुल 15.60 करोड़ रुपये में बेचा है। दिलचस्प बात यह है कि टाइगर ने साल 2018 में यह प्रॉपर्टी 11.62 करोड़ रुपये में खरीदी थी। यानी महज 7 सालों में उन्होंने 3.98 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमा लिया। टाइगर श्रॉफ सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, बल्कि रियल एस्टेट निवेश के मामले में भी समझदारी दिखाते हैं। उनकी गिनती बॉलीवुड के उन सितारों में होती है, जो बेहद आलीशान और लग्जरी लाइफस्टाइल जीते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर की कुल संपत्ति लगभग 248 करोड़ रुपये आंकी जाती है। वह महंगी कारों, शानदार घरों और फिटनेस से जुड़ी अपनी लाइफस्टाइल के लिए जाने जाते हैं। इतना ही नहीं, टाइगर का पुणे में भी एक बेहद खूबसूरत बंगला है, जिसे अक्सर उनके प्रशंसक चर्चा का विषय बनाते हैं। काम के मोर्चे पर बात करें तो टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी नई फिल्म 'बागी 4' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और रिलीज के शुरूआती दिनों में ही इसने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'बागी 4' ने कुछ ही दिनों में 31.25 करोड़ रुपये से अधिक की शानदार कमाई कर ली है। फिल्म का निर्देशन ए हर्ष ने किया है, जिन्हें कन्नड़ फिल्मों जैसे 'बजरंगी' और 'वेधा के लिए जाना जाता है। वहीं, इस बड़े प्रोजेक्ट को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है।

'बॉर्डर 2' की स्टारकास्ट में शामिल हुईं सोनम बाजवा

आने वाले महीनों में बॉलीवुड में कई बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा जिस फिल्म की हो रही है, वह है 'बॉर्डर 2'। यह फिल्म न सिर्फ दर्शकों के लिए एक सिनेमैटिक अनुभव होगी, बल्कि उन सभी सिनेप्रेमियों के लिए खास मायने रखती है, जिन्हें देशभक्ति से जुड़ी फिल्में बेहद पसंद हैं। सालों पहले आई जेपी दत्ता की 'बॉर्डर' ने भारतीय सिनेमा में देशभक्ति फिल्मों का एक नया अध्याय रचा था। अब उसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए 'बॉर्डर 2' बनाई जा रही है। फिल्म के स्टारकास्ट को लेकर लंबे समय से चचाएं हो रही थीं। पहले से ही यह तय था कि इसमें सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अब फिल्म को लेकर एक और बड़ी अपडेट सामने आई है। फिल्म में मशहूर पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा की धमाकेदार एंट्री हो चुकी है। सोनम को फिल्म में साइन कर लिया गया है और वह इसमें दिलजीत दोसांझ की प्रेमिका का किरदार निभाती दिखाई देंगी। यानी दर्शकों को इस फिल्म में दिलजीत और सोनम की ऑन-स्क्रीन रोमांटिक केमिस्ट्री भी देखने को मिलेगी। दिलजीत की हीरोइन की तलाश पिछले कई महीनों से चल रही थी और अब जाकर वह तलाश पूरी हो गई है। सोनम बाजवा का नाम पंजाबी और हिंदी फिल्मों की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में शुमार है। उन्होंने अपने करियर में कई सुपरहिट पंजाबी फिल्मों में काम किया है और उनके लाखों-करोड़ों प्रशंसक हैं। उनकी मौजूदगी से 'बॉर्डर 2' में एक नया आकर्षण जुड़ गया है। वहीं, फिल्म में वरुण धवन की जोड़ी अभिनेत्री मेधा राणा के साथ बनाई गई है। दोनों के बीच की फ्रेश केमिस्ट्री भी दर्शकों के लिए एक नया अनुभव होगी। 'बॉर्डर 2' का निर्देशन कर रहे हैं जाने-माने फिल्ममेकर अनुराग सिंह, जो पहले भी कई बेहतरीन फिल्में बना चुके हैं। देशभक्ति और एक्शन ड्रामा को एक साथ परोसने की उनकी शैली दर्शकों को हमेशा प्रभावित करती रही है। उम्मीद है कि 'बॉर्डर 2' भी उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी। निमार्ताओं ने फिल्म की रिलीज डेट भी तय कर दी है। यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस के खास मौके पर यानी 22 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज की यह तारीख भी बेहद खास है क्योंकि देशभक्ति से जुड़ी फिल्म को इससे बेहतर दिन और क्या मिल सकता है।

उदय चोपड़ा संग ब्रेकअप को लेकर तनीषा ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा तनुजा की बेटी और अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी भले ही अपनी मां और बहन काजोल की तरह बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाईं, लेकिन उन्होंने फिल्मों से लेकर छोटे पर्दे तक अलग-अलग माध्यमों में खुद को आजमाया। तनीषा का फिल्मी करियर बहुत लंबा नहीं रहा, लेकिन उनकी निजी जिंदगी और रिश्ते अक्सर सुर्खियों में बने रहे। हाल ही में तनीषा ने एक इंटरव्यू में अपने करियर, रिश्तों और मां तनुजा से मिलने वाले इमोशनल सपोर्ट के बारे में खुलकर बात की। एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उनका सबसे दर्दनाक ब्रेकअप उदय चोपड़ा से हुआ था। उन्होंने कहा, ₹हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे, एक-दूसरे को लंबे समय से जानते थे और बेहद करीब भी थे। इसलिए जब हमारा रिश्ता टूटा, तो दिल पूरी तरह से टूट गया। अरमान कोहली के साथ मेरा रिश्ता खत्म हुआ था, लेकिन उस वक्त इतना गहरा असर नहीं हुआ था। मगर उदय से अलग होना मेरे लिए सबसे ज्यादा मुश्किल साबित हुआ।₹

रिश्तों से मिली सीख

हालांकि तनीषा का मानना है कि हर रिश्ता, हर अनुभव इंसान को कुछ न कुछ सिखाता है। उन्होंने कहा, ₹मैं हमेशा चीजों का अच्छा पहलू देखने की कोशिश करती हूं। मेरा मानना है कि जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है। मुझे प्यार में पड़ने का एहसास बेहद खूबसूरत लगता है और मैं उससे जुड़ी सारी यादों और अनुभवों को संजोकर रखती हूं।

मां तनुजा बनीं सहारा

जब तनीषा से पूछा गया कि वह जीवन में भावनात्मक और पेशेवर झटकों का सामना कैसे करती हैं, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी मां तनुजा का नाम लिया। उन्होंने कहा, मेरी मां हमेशा मेरी सबसे बड़ी ताकत रही हैं। जब भी मैं किसी मुश्किल दौर से गुजरती हूं, वो मुझे भावनात्मक सहारा देती हैं। इंडस्ट्री के बारे में बहुत कम लोग सही मायने में समझते हैं, इसलिए मैं प्रोफेशनल सलाह के लिए भी ज्यादातर मां पर ही भरोसा करती हूं।

करियर का सफर

तनीषा ने साल 2003 में बॉलीवुड में कदम रखा। हालांकि उन्हें अपनी मां तनुजा और बहन काजोल जैसी सफलता नहीं मिल पाई। वह कुछ गिनी-चुनी फिल्मों में नजर आईं, लेकिन दर्शकों के दिलों में खास छाप नहीं छोड़ सकीं। इसके बावजूद तनीषा ने छोटे पर्दे की ओर रुख किया और साल 2013 में रियलिटी शो 'बिग बॉस 7' का हिस्सा बनीं। इस शो में वह फर्स्ट रनर-अप रहीं। बिग बॉस के घर में उनके और अरमान कोहली के रिश्ते उस समय चर्चा का बड़ा विषय बने थे। अपनी निजी जिंदगी के उतार-चढ़ाव और रिश्तों पर सार्वजनिक चचाओं के बावजूद तनीषा ने हमेशा सकारात्मक बने रहने की कोशिश की है। उनका कहना है कि जिंदगी से मिले हर अनुभव ने उन्हें और मजबूत बनाया है।

आर्यन खान की 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान पिछले काफी समय से अपनी महत्वाकांक्षी वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह प्रोजेक्ट कई मायनों में खास है, क्योंकि इसके जरिए आर्यन खान ने न सिर्फ निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है, बल्कि इसकी पूरी कहानी भी उन्होंने खुद ही लिखी है। यानी दर्शकों को इस सीरीज में एक नए फिल्ममेकर आर्यन खान का असली विजन देखने को मिलेगा। अब आखिरकार निमार्ताओं ने इस बहुप्रतीक्षित सीरीज का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसने आते ही इंटरनेट पर धूम मचा दी है। ट्रेलर में अभिनेता लक्ष्य लालवानी का बिल्कुल नया और धाकड़ अवतार देखने को मिला। लक्ष्य को जोश और एक्शन से भरपूर दृश्यों में दिखाया गया है, जहां उनका किरदार एक ओर दमदार लड़ाई लड़ता है और दूसरी ओर ग्लैमर और संघर्ष से भरे बॉलीवुड के अंधेरे पहलुओं से जूझता है। वहीं, उनकी जोड़ीदार सहर बंबा के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री भी दर्शकों को खूब भा रही है। रोमांस और इमोशन के साथ-साथ एक्शन का तड़का ट्रेलर को और भी खास बना देता है। सीरीज की कास्टिंग भी बेहद दमदार है। राघव जुयाल, बॉबी देओल, मनोज पहवा और मोना सिंह जैसे प्रतिभाशाली कलाकार इसमें अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। खास बात यह है कि ट्रेलर में बॉलीवुड की दिग्गज हस्तियों की भी झलक दिखाई देती है, शाहरुख खान, आमिर खान, एस.एस. राजामौली, दिशा पाटनी और करण जौहर के कैमियो ने दर्शकों का उत्साह कई गुना बढ़ा दिया है। 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का प्रीमियर 18 सितंबर, 2025 से नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा। रिलीज से पहले ही यह प्रोजेक्ट चर्चा का विषय बन चुका है और ट्रेलर ने दर्शकों की उम्मीदों को और ऊंचा कर दिया है। इस सीरीज के प्रोडक्शन का जिम्मा रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने उठाया है और इसकी कमान संभाली है आर्यन की मां और शाहरुख की पत्नी गौरी खान ने। ग्लैमरस लेकिन जटिल बॉलीवुड की दुनिया को परदे पर उतारने के लिए भव्य प्रोडक्शन डिजाइन और शानदार सिनेमैटोग्राफी का वादा ट्रेलर में साफ झलक रहा है। कहानी मुंबई की उस मायानगरी के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां लाखों लोग अपने सपनों को सच करने के लिए आते हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर्स : रोनाल्डो ने की सर्वाधिक गोल के रिकॉर्ड की बराबरी, हंगरी को हराकर पुर्तगाल शीर्ष पर

एजेंसी

बुडापेस्ट : पुर्तगाल ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर्स में मंगलवार रात रोमांचक मुकाबले में हंगरी को 3-2 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। मैनचेस्टर सिटी के जोआओ कैंसिलो ने बॉक्स के किनारे से शानदार गोल दागते हुए विजयी गोल किया। वहीं, स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी गोल कर विश्व कप क्वालिफाइंग में सर्वाधिक गोल करने का संयुक्त रिकॉर्ड अपने नाम किया। रोबर्टो मार्टिनेज की टीम ने शुरूआती दो मुकाबलों में लगातार जीत दर्ज की है। इससे पहले उसने आर्मेनिया को 5-0 से हराया था। पुर्तगाल अब ग्रुप एफ में छह अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि आर्मेनिया तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। हालांकि मुकाबले की शुरूआत हंगरी के पक्ष में रही। फरेंकवारोस क्लब के स्ट्राइकर बारनाबास वार्गा ने जोल्ट नागी के क्रॉस पर हेडर लगाकर गोल किया और मेजबान टीम को बढ़त दिलाई। पहले हाफ में हंगरी के गोलकीपर बालाज तोथ ने रोनाल्डो की नजदीकी दूरी से लगाई शॉट को शानदार तरीके से रोक दिया। लेकिन छह मिनट बाद मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर बर्नार्डो सिल्वा ने मौका पाकर गोल दाग दिया और स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे हाफ में 58वें मिनट में रोनाल्डो ने पेनाल्टी पर गोल कर पुर्तगाल को 2-1 से आगे कर दिया। यह गोल उनके विश्व कप क्वालिफाइंग करियर का 39वां गोल था, जिससे वह ग्वाटेमाला के पूर्व स्टार कार्लोस रूइज के रिकॉर्ड की बराबरी पर पहुंच गए। 84वें मिनट में वार्गा ने एक और हेडर लगाकर हंगरी को बराबरी पर ला दिया। लेकिन सिर्फ दो मिनट बाद पुर्तगाल ने गेंद छीनकर तेजी से हमला किया और कैंसिलो ने निर्णायक गोल दागकर टीम को 3-2 से जीत दिला दी। हंगरी 1986 के बाद से विश्व कप में क्वालिफाई नहीं कर पाया है और पुर्तगाल के खिलाफ अब तक एक भी जीत दर्ज नहीं कर सका है।

एशिया कप 2025 का आगाज, अफगानिस्तान ने हांगकांग को 94 रन से हराया

एजेंसी

अबू धाबी : एशिया कप 2025 का आगाज धमाकेदार अंदाज में हुआ है, जब अफगानिस्तान ने उद्घाटन मुकाबले में हांगकांग को 94 रन से रौंद डाला। यह जीत टी20 एशिया कप के इतिहास में रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत साबित हुई। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 188 रन बनाए। टीम के सलामी बल्लेबाज सदीकुल्लाह अटल ने 73 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने मात्र 20 गेंदों में अर्धशतक जड़कर नया इतिहास रच दिया। अजमतुल्लाह ने 53 रन की पारी खएली। मोहम्मद नबी ने 33 रन का योगदान दिया। यह अफगानिस्तान की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक रहा। जवाब में हांगकांग की पूरी टीम अफगान गेंदबाजों के सामने बेबस नजर आई और 94 रन ही बना सकी। हांगकांग की ओर से बाबर हयात ने सबसे अधिक 39 रन बनाए, जबकि कप्तान यासिम मुर्तजा ने 16 रन बनाए। अफगान गेंदबाजों ने लगातार विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजों को टिकने का कोई मौका नहीं दिया। अफगानिस्तान की ओर से फजलहक फारूकी और गुलाबदीन नाइब ने दो-दो विकेट चटकाए। जबकि अजमतुल्लाह ओमरजाई, राशिद खान और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने न सिर्फ टूनार्मेंट की जोरदार शुरूआत की बल्कि अन्य टीमों को भी सख्त संदेश दिया कि वह खिताब की प्रबल दावेदार है।

फिडे ग्रैंड स्विस 2025: गुकेश को मिली दूसरी हार , एरिगैसी की उम्मीदें बरकरार

एजेंसी

समरकंद : विश्व चैंपियन डी. गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूनार्मेंट में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। छठे दौर में उन्हें ग्रीस के निकोलस थियोडोरू ने मात दी। पिछले दौर में अमेरिका के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा से हारने के बाद गुकेश एक बार फिर ड्रॉ की स्थिति से जीत की कोशिश में उलझ गए और गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा। शीर्ष तालिका पर ईरान के परहम मघसूदलू ने बढ़त बनाए रखी है। हालांकि, भारत के अर्जुन एरिगैसी ने काले मोहरों से शानदार खेल दिखाते हुए मघसूदलू को रोक लिया और अब केवल आधे अंक पीछे (4.5 अंक) रहते हुए खिताबी दौड़ में मजबूती से टिके हुए हैं। एरिगैसी के साथ ही अभिमन्यु मिश्रा (अमेरिका), जर्मनी के मैथियास ब्लूबाम और भारत के निहाल सरीन भी 4.5 अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। इस बीच, शीर्ष वरीयता प्राप्त आर. प्रज्ञानानंद को अजरबैजान के रऊफ मामेदोव के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बावजूद ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। वहीं, उनकी बहन आर. वैशाली ने अजरबैजान की उल्विया फातालिएवा को हराकर महिला वर्ग में संयुक्त बढ़त कायम रखी। वैशाली के साथ फिडे प्रतिनिधि कतेरीना लाग्नो भी शीर्ष पर बनी हुई हैं। वैशाली ने काले मोहरों से बेहतरीन आक्रामक खेल दिखाया और अतिरिक्त प्यादे के सहारे हाथी और प्यादों के एंडगेम में जीत दर्ज की। गुकेश अब 50 प्रतिशत स्कोर पर हैं और टूनार्मेंट में टिके रहने के लिए उन्हें बचे हुए पांच में से कम से कम चार मैच जीतने होंगे। प्रज्ञानानंद जीत से चूक गए, लेकिन निहाल सरीन ने पोलैंड के सिमोन गुमुलार्ज. की गलती का फायदा उठाते हुए अंक तालिका में छलांग लगाई। बुधवार को खिलाड़ियों को विश्राम मिलेगा और गुरुवार से पुरुष एवं महिला वर्ग में 8.55 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि और 2026 कैंडिडेट्स टूनार्मेंट में जगह बनाने की जंग फिर से शुरू होगी।

यूपी के विकास को सकारात्मक कदम उठाए पंडित पंत ने : मुख्यमंत्री

एजेंसी

गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री और देश के गृहमंत्री रहे भारत रत्न, पंडित गोविंद वल्लभ पंत की 138वीं जयंती के अवसर पर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। गोरखनाथ मंदिर के कार्यालय परिसर में पंडित पंत के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में पंडित पंत जी ने उत्तर प्रदेश के विकास को सकारात्मक कदम उठाए। सीएम योगी ने प्रदेश सरकार और प्रदेश की 25 करोड़ जनता की तरफ से पंडित गोविंद वल्लभ पंत की जयंती पर उनकी पावन स्मृतियों को नमन किया और उन्हें भारत मां का सच्चा सपूत बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पंत जी का

जन्म उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुआ था। देश की आजादी के आंदोलन में उन्होंने बढ़चढ़कर भाग लिया। वह महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। भारत के स्वतंत्र होने के बाद तत्कालीन संयुक्त प्रांत और प्रथम आम चुनाव के बाद यूपी के पहले मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। मुख्यमंत्री ने कहा प्रथम मुख्यमंत्री होने के नाते उत्तर प्रदेश के विकास की कार्ययोजना बनाने में पंत जी की अविस्मरणीय भूमिका रही। सैकड़ों वर्ष की गुलामी के चलते उस समय काफी चुनौतियां थीं। व्यवस्था अस्त व्यस्त थी लेकिन उसे ठीक करने और यूपी को विकास के अग्रणी पायदान पर पहुंचाने के लिए पंडित गोविंद वल्लभ पंत ने सकारात्मक कदम उठाए थे। यूपी के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा देने के बाद पंत जी को 1954 में देश के गृहमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर मिला। इस पद पर रहते हुए उन्होंने राजभाषा सूत्र देने के साथ ही सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा देश की एकता और अखंडता के लिए किए गए प्रयासों को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, भाजपा के महानगर संयोजक राजेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी ने की गोसेवा,भवानी और भोलू को दुलारा, पुंज को भी खिलाया गुड़

गोरखपुर : गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पशु-पक्षी प्रेम जगजाहिर है। इसका एक नजारा बुधवार सुबह उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में दिखा। प्रात:काल मंदिर परिसर भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने गोशाला में गोसेवा की और मोर को भी गुड़ खिलाया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गोसेवा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है। इसी क्रम में बुधवार सुबह भी उन्होंने मंदिर की गोशाला में समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को गुड़ खिलाया और गोशाला के कार्यकताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए। गोसेवा के दौरान उन्होंने पिछले साल आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल (पुंगनूर नस्ल की नवोन्नत ब्रीड) के गोवंश भवानी और भोलू को खूब दुलारा। गोवंश के ये नाम सीएम योगी ने ही रखे हैं। उन्होंने भवानी और भोलू को गुड़ भी खिलाया। सीएम योगी के स्नेह से गोवंश भाव विह्वल दिख रहे थे। मंदिर की गोशाला में एक मोर भी विचरण करता है। उसका नाम पुंज रखा गया है। विगत कई माह से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब गोशाला में होते हैं तो पुंज उनके पास आ जाता है। मुख्यमंत्री उसे भी खूब स्नेह और भोजन देते हैं। बुधवार को भी उन्होंने पुंज को दुलारा और अपने हाथों से उसे गुड़ खिलाया।

हरदोई से अयोध्या तक : समाजसेवा से रामलला की सेवा तक कृष्ण मोहन की गौरवगाथा

हरदोई : अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में हरदोई ज़िले की धरती का मान बढ़ाने वाली एक ऐतिहासिक नियुक्ति हुई है। हरदोई के सिकन्दरपुर बाजार में निवासरत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक एवं पूर्व वन अधिकारी कृष्ण मोहन को ट्रस्ट का सदस्य बनाया गया है। यह नियुक्ति केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उस जीवन-यात्रा का प्रतीक है जिसमें विद्या, विज्ञान, प्रशासन और अध्यात्म सब एक सूत्र में पिरोए गए हैं। सितम्बर 1952 में जन्मे कृष्ण मोहन ने विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। लखनऊ विश्वविद्यालय से 1978 में एम.एससी. की उपाधि लेकर उन्होंने एटॉमिक एनर्जी विभाग में वैज्ञानिक के रूप में पाँच वर्षों तक देश की सेवा की। इसके बाद भारतीय वन सेवा में प्रवेश कर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद तक पहुँचे और 2012 में सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के पश्चात उन्होंने अपना निवास हरदोई ज़िले के शाहाबाद क्षेत्र के सिकन्दरपुर गाँव में स्थायी रूप से बना लिया। यहीं रहकर वे समाजसेवा, जनसंपर्क और संगठन के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहे। ग्राम की माटी से उनका जुड़ाव इतना गहरा रहा कि ग्रामीण उन्हें अपने बीच का ही मार्गदर्शक मानते हैं। नागपुर प्रवास के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से उनका आत्मिक परिचय हुआ, जिसने उनके जीवन को नया आयाम प्रदान किया।

दुर्गा पूजा में भी नहीं थमेगी बारिश, मौसम विभाग ने दी चेतावनी

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में सितंबर के दूसरे पखवाड़े में भी बारिश का सिलसिला जारी रहने वाला है। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया है कि अगले सप्ताह राज्य के कई हिस्सों में मानसून सक्रिय हो सकता है। इस समय मानसूनी अक्षरेखा दक्षिण ओडिशा के पास स्थित है, जो जल्द ही उत्तर की ओर खिसककर दक्षिण बंगाल पर आ सकती है। इसके प्रभाव से राज्य में बिखरी हुई बारिश देखने को मिलेगी। दुर्गा पूजा से पहले लगातार बारिश आयोजकों और कुम्हारों के लिए भी परेशानी बढ़ा सकती है। मौसम विभाग ने बताया है कि बुधवार दोपहर तक दक्षिण बंगाल में तेज गर्मी और उमस बनी रहेगी। दोपहर बाद गरज-चमक के साथ बिखरी हुई बारिश हो सकती है। पूर्वानुमान के मुताबिक पूर्व व पश्चिम बर्धमान, बीरभूम, मुर्शिदाबाद, पुरुलिया,

बाँकुड़ा और उत्तर व दक्षिण 24 परगना जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी-तूफान की आशंका है। गुरुवार और शुक्रवार को पूरे दक्षिण बंगाल में हल्की से मध्यम बारिश होगी, जिससे उमस और गर्मी से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि शनिवार से तापमान फिर बढ़ेगा और उमसजनित गर्मी लौट सकती है। उत्तर बंगाल में बुधवार रात तक भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अलीपुरद्वार में अति भारी बारिश जबकि दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, जलपाईगुड़ी और कूचबिहार जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। गुरुवार से बारिश की तीव्रता कुछ कम होगी, लेकिन रविवार तक इन पांचों पहाड़ी जिलों में छिटपुट बारिश होती रहेगी।

बिहार के सभी जिलों के मतदान केंद्रों का निर्धार ।, पटना में सबसे अधिक 5,665 मतदान केंद्र

एजेंसी

पटना : बिहार में अगले माह विधानसभा का चुनाव होना है। ऐसे में निर्वाचन आयोग ने राज्य के सभी जिलों के मतदान केंद्रों का निर्धारण कर दिया है, जो एक बड़ी चुनावी प्रक्रिया का अहम हिस्सा है।पटना जिला, जहां सबसे अधिक 14 विधानसभा क्षेत्र हैं, वहां 5,665 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। निर्वाचन विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, आगामी चुनाव में कुल 243 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 90,712 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। यह संख्या पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में 12,817 अधिक है। इस वृद्धि का मुख्य कारण यह है कि अब एक मतदान केंद्र पर अधिकतम 1200 मतदाता ही रखे जाएंगे, जबकि पहले यह सीमा 1500 थी। यह बदलाव मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद किया गया, जिससे बूथों पर भीड़ कम रहे और मतदान अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से हो। पटना जिला, जहां सबसे अधिक 14 विधानसभा क्षेत्र हैं, वहां 5,665 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जो कि राज्य में सर्वाधिक हैं। उसके बाद मुजफ्फरपुर में 4186, पूर्वी चंपारण में 4095, मधुबनी में 3882, गया में 3866, समस्तीपुर में 3623 और दरभंगा में 3329 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। वहीं, शिवहर जिला, जहां केवल एक विधानसभा क्षेत्र है, वहां सबसे कम 368 मतदान केंद्र होंगे। इसके अलावा शेखपुरा (582), अरवल (651), लखीसराय (904), जहानाबाद (1009) जैसे जिलों में भी मतदान केंद्रों की संख्या कम है। इस बार चुनाव आयोग ने एक बड़ा कदम उठाते हुए निर्णय लिया है कि राज्य के सभी 90,712 मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी। इसके लिए आईपी आधारित कैमरे लगाए जाएंगे, जो इंटरनेट के माध्यम से सीधे जिला निर्वाचन कार्यालय और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से जुड़े रहेंगे। यह प्रणाली मतदान प्रक्रिया की रीयल-टाइम निगरानी को संभव बनाएगी और चुनाव में किसी भी प्रकार की धांधली, गड़बड़ी या गड़बड़ी की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी। पटना सहित 8 जिले ऐसे हैं जिनमें 10 या उससे अधिक विधानसभा क्षेत्र हैं। वहीं, 17 जिले ऐसे हैं जिनमें 5 से 10 के बीच विधानसभा क्षेत्र आते हैं और 13 जिले ऐसे हैं जहां 5 से कम विधानसभा क्षेत्र हैं। इस वर्गीकरण के आधार पर संसाधनों का बंटवारा और चुनावी कर्मचारियों की तैनाती की जा रही है, ताकि हर बूथ पर पर्याप्त सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में पहली बार ऐसा होगा कि सभी मतदान केंद्रों पर तकनीक आधारित निगरानी रहेगी। इसके अलावा, दिव्यांग मतदाताओं और बुजुर्गों के लिए विशेष सुविधा, महिला मतदाताओं के लिए पिंक बूथ, और सुलभ रैंप व पेयजल व्यवस्था जैसी सहूलियतें भी सुनिश्चित की जा रही हैं। निर्वाचन आयोग का उद्देश्य है कि हर मतदाता तक पहुंचा जाए, और उन्हें बिना किसी बाधा के मतदान का अवसर दिया जाए। बढ़े हुए मतदान केंद्रों, सख्त निगरानी व्यवस्था, और व्यापक तैयारियों के साथ, यह स्पष्ट है कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 एक तकनीकी रूप से उन्नत, पारदर्शी और समावेशी चुनाव होने वाला है। अब इंतजार है तो सिर्फ मतदान की तारीखों के औपचारिक ऐलान का, जिसके बाद बिहार के लोग एक बार फिर लोकतंत्र के इस उत्सव में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार होंगे।

ऑनलाइन छात्रवृत्ति आवेदन अग्रसारित नहीं किया तो शिक्षण संस्थाओं के खिलाफ होगी कार्रवाई

एजेंसी

प्रयागराज : शिक्षण संस्थान छात्रवृत्ति के लिए पात्र छात्र एवं छात्राओं के किए गये आवेदनों को तत्काल अग्रसारित करें। यदि आवेदनों को अग्रसारित करने में लापरवाही की गई तो ऐसे संस्थानों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी बुधवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कोमिल द्विवेदी ने दी है। उन्होंने बताया कि कक्षा 9-10 एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 11-12 के छात्र एवं छात्राओं को 2 अक्टूबर को छात्रवृत्ति का भुगतान किये जाने

का निर्णय शासन ने लिया है। पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत कक्षा 9-10 में 9 सितम्बर तक 23028 छात्र एवं छात्राओं ने आनालाइन आवेदन कर चुके हैं। जबकि पत्रों के सापेक्ष मात्र 4812 एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 11-12 के 18444 छात्र एवं छात्राओं ने ऑनालाइन आवेदन किया है। लेकिन पत्रों के सापेक्ष मात्र 3078 छात्र व छात्राओं के आवेदन पत्रों को शिक्षण संस्थाओं द्वारा अग्रसारित किया गया है, जो अत्यन्त कम है।

अतः जनपद की समस्त शिक्षण संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि वह पात्र छात्र एवं छात्राओं के ऑनलाइन किये गये आवेदन पत्रों को तत्काल अग्रसारित करना सुनिश्चित करें। यदि किसी शिक्षण संस्थान स्तर से पात्र छात्र एवं छात्राओं का आवेदन पत्र अग्रसारित न किया गया तो इस कारण छात्र एवं छात्रायें छात्रवृत्ति अथवा शुल्क प्रतिपूर्ति से वंचित रह जाते है तो शिक्षण संस्थान के विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। सभी शिक्षण संस्थानों से अपील है कि समय से पात्र छात्र एवं छात्राओं के आवेदनों को अग्रसारित करके भेजे।

किसान की हत्या में आरोपित युवक पुलिस मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार कर अस्पताल में कराया भर्ती

एजेंसी

फतेहपुर : उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में बुधवार रात किसान की हत्या में आरोपित युवक को थाना पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने उस समय गिरफ्तार करने में सफलता पाई जब सरकंडी रोड नहर पुलिया के पास पुलिस मुठभेड़ में आरोपित युवक गोली लगने से घायल हो गया। असोथर थाना क्षेत्र में सोमवार को खेत की रखवाली कर रहे किसान सत्तार कुरैशी(80) की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस वारदात के बाद पुलिस हत्यारे की तलाश में जुटी थी। रात पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार घायल हत्यारोपित विजय उर्फ पुत्तू तिवारी पुत्र रामकिशोर तिवारी निवासी गढ़ी मोहल्ला, कस्बा असोथर है। पुलिस ने मौके से एक अवैध तमंचा 315 बोर, दो खोखा कारतूस, एक मोबाइल, मृतक किसान की मोटरसाइकिल व 4270 रुपये नकद बरामद किए हैं। थानाध्यक्ष अभिलाष तिवारी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान पुलिस को देखकर युवक भागने की कोशिश की और जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायर भी किया। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल होने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। हत्यारोपित विजय तिवारी के खिलाफ असोथर थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज कर तलाश की जा रही थी। अब उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट समेत कई धाराओं में बढ़ोत्तरी कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। हालांकि पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से शेयर बाजार की चाल में मामूली गिरावट भी आई। इसके बावजूद दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में बने रहे। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.52 प्रतिशत और निफ्टी 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एचसीएल टेक्नोलॉजी, टेक महिंद्रा, टीसीएस, जियो फाइनेंशियल और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के शेयर 2.31 प्रतिशत से लेकर 1.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल्स, एटरनल और टाटा मोटर्स के शेयर 0.61 प्रतिशत से लेकर 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 1,969 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,522 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 447 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 9 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 40 शेयर हरे निशान में और 10 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 403.04 अंक की तेजी के साथ 81,504.36 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स उछल कर 81,593.37 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इस स्तर पर पहुंचने के बाद मामूली मुनाफा वसूली भी हुई। इसके बावजूद ये सूचकांक लगातार मजबूती के साथ ही कारोबार करता रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 421.84 अंक की बढ़त के साथ 81,523.16 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 122.40 अंक उछल कर 24,991 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही लिवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक उछल कर 25,017.40 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मामूली बिकवाली भी हुई, जिससे इस सूचकांक की चाल पर कुछ देर के लिए ब्रेक लगता हुआ नजर आया। इस बिकवाली के बावजूद निफ्टी लगातार हरे निशान में ही बना रहा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 136.50 अंक की मजबूती के साथ 25,005.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 314.02 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 81,101.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 95.45 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,868.60 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

बलरामपुर जिला अस्पताल की लापरवाही से निमोनिया पीड़ित मासूम बच्ची की मौत

बलरामपुर : छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के जिला अस्पताल में बड़ी लापरवाही सामने आई है। अस्पताल के स्टाफ की लापरवाही के चलते तीन महीने की मासूम बच्ची की जान चली गई। बताया जा रहा है कि, निमोनिया से ग्रसित मासूम को बिना ऑक्सीजन सपोर्ट के ही एम्बुलेंस से अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। जिसके बाद बीच रास्ते में ही मासूम ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने हॉस्पिटल प्रबंधक और डॉक्टर्स पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित परिजनों ने आज बुधवार को बताया कि बलरामपुर जिले के ग्राम पिंडरा निवासी सनम अगरिया अपनी तीन माह की बेटी मासूम संजना अगरिया को निमोनिया के कारण सांस लेने में दिक्कत आ रही थी जिसकी इलाज कराने मंगलवार शाम को करीब तीन बजे बलरामपुर जिला अस्पताल पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों की टीम ने बच्ची को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखकर इलाज शुरू किया, इलाज के दौरान देर शाम को जब बच्ची के स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुई तो उसे बीना ऑक्सीजन सपोर्ट के अंबिकापुर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिसके बाद बीच रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। देर रात मृतिका को लेकर परिजन बलरामपुर जिला अस्पताल दुबारा पहुंचे और हॉस्पिटल प्रबंधक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि, हॉस्पिटल की लापरवाही के कारण तीन माह की मासूम की जान गई है, अगर बच्ची आईसीयू में भर्ती थी और ऑक्सीजन सपोर्ट में थी तो उसे एम्बुलेंस में शिफ्ट करने से पहले वहां पर ऑक्सीजन की व्यवस्था क्यों नहीं की गई। वहीं इस मामले में बलरामपुर जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. शशांक गुप्ता ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि, इस मामले में जांच जारी है। जांच प्रतिवेदन आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राहुल के दौरे पर लगे विवादित पोस्टर, राहुल, अखिलेश,तेजस्वी को बताया ब्रम्हा, विष्णु,महेश

रायबरेली : सांसद राहुल गांधी रायबरेली पहुंच गए हैं,दो दिवसीय दौरे में वह कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। हालांकि राहुल के दौरे पर एक विवादित पोस्टर समाने आया है जिसमें राहुल,अखिलेश और तेजस्वी यादव को ब्रम्हा,विष्णु और महेश के रूप में दिखाया गया है। इस लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी हो गया है।दरअसल बुधवार से राहुल गांधी रायबरेली के दौरे पर हैं। इस बीच एक पोस्टर रायबरेली में लगाया गया है जिसमें राहुल गांधी को भगवान ब्रम्हा जबकि अखिलेश को विष्णु और तेजस्वी यादव को भगवान महेश के रूप में दिखाया गया है। सपा लोहिया वाहिनी के नेता राहुल निर्मल की ओर से यह पोस्टर लगाया गया है। राहुल निर्मल ने बताया कि राहुल,अखिलेश और तेजस्वी कलयुग के ब्रम्हा,विष्णु और महेश हैं। जिस तरह से ये लोग गरीबों, पीड़ितों की आवाज बुलंद कर रहे हैं वह हम सभी के भगवान हैं। दूसरी तरफ इस पोस्टर का जबरदस्त विरोध भी हो रहा है। भाजपा नेता अभिलाष कौशल ने इसे देवताओं का अपमान बताते हुए कहा कि इस तरह के कृत्य स्वीकार नहीं किये जा सकते हैं। उन्होंने प्रशासन से कार्यवाही करने की भी मांग की है।

मुख्यमंत्री साय आज मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की लेंगे बैठक

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज बुधवार को कोरबा प्रवास पर रहेगें। मुख्यमंत्री आज प्रातः 11 बजे कलेक्टोरेट सभागार कोरबा में आयोजित मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में छत्तीसगढ शासन के मंत्रीगण एवं प्राधिकरण के सदस्य शामिल होंगे। जिला प्रशासन कोरबा द्वारा बैठक की गरिमामय आयोजन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत कोरबा, गोरेला- पेंड्रा-मरवाही, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, राजनांदगांव, बलौदाबाजार-भाटापारा, सारंगढ़-बिलाईगढ़, बालोद, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कबीरधाम (कवर्धा), बिलासपुर, रायगढ़ एवं सक्ती जिला शामिल हैं। प्राधिकरण में 51 सदस्य एवं 24 विशेष आमंत्रित सदस्य हैं। जो प्राधिकरण की समीक्षा बैठक में शामिल होकर स्वीकृत कार्यों के संदर्भ अपने विचार,सुझाव एवं शिकायत रखते हैं।

सरार्फा बाजार में नए शिखर पर सोना, एक लाख रुपये के पार पहुंचा 22 कैरेट सोना

नई दिल्ली : घरेलू सरार्फा बाजार में सोना आज एक बार फिर रिकॉर्ड तोड़ छलांग लगाकर नए शिखर पर पहुंच गया है। आज की तेजी के कारण 22 कैरेट सोना पहली बार 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के पार पहुंचा है, वहीं 24 कैरेट सोना भी 1.10 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच कर कारोबार कर रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आज 1,960 रुपये से लेकर 2,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आज आई उछाल के कारण देश के ज्यादातर सरार्फा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,10,510 रुपये से लेकर 1,10,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 1,01,300 रुपये से लेकर 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सरार्फा बाजार में आज भी 1,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,10,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,10,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,10,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,10,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,10,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,10,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,10,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,01,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,10,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सरार्फा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,10,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सरार्फा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

गहनों की सफाई के नाम पर ठगी पर डीआईजी नौशाद आलम सख्त, सभी थानों को किया अलर्ट

बिनय मिश्रा

मेदिनीनगर: पलामू प्रमंडल में गहनों की सफाई और चमकाने के नाम पर ग्रामीण इलाकों में हो रही ठगी की घटनाओं पर डीआईजी नौशाद आलम ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने प्रमंडल के सभी थानों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि ऐसे अपराधों पर अविलंब रोक लगाई जाए और आमजन को जागरूक किया जाए। डीआईजी कार्यालय से जारी पत्र में कहा गया है कि समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों से यह जानकारी मिल रही है कि कुछ असामाजिक तत्व गांवों में खुद को गहनों की सफाई या पॉलिशिंग कर्मी बताकर घर-घर जा रहे हैं। ये लोग विशेष रूप से महिलाओं को निशाना बनाते हैं और भरोसे में लेकर उनके आभूषण बदल देते हैं या चुराकर फरार हो जाते हैं।

डीआईजी ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्र में सतर्कता बरतनी होगी। उन्होंने कहा कि लोग यदि अपने घर या पड़ोस में किसी संदिग्ध व्यक्ति को इस प्रकार की सेवा की पेशकश करते देखें तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई संभव हो सके। उन्होंने व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया है, जिसमें सोशल मीडिया, समाचार पत्र, सामुदायिक बैठकें और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही गई है। साथ ही, सुबह-शाम के समय विशेष रूप से गश्त और चौकसी बढ़ाने का आदेश दिया गया है, ताकि इस तरह के अपराधों को रोका जा सके।

डीआईजी ने निर्देश दिया है कि इस प्रकार के धोखाधड़ी से जुड़े मामलों की जांच में तकनीकी संसाधनों जैसे डेटा एनालिसिस और डिजिटल फॉरेंसिक का उपयोग किया जाए, ताकि अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। इसके अतिरिक्त, इन अपराधियों की पहचान और उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी सभी थानों के साथ साझा करने की प्रक्रिया को भी सुदृढ़ करने का सुझाव दिया गया है। यह पत्र अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) झारखंड रांची, पुलिस महानिरीक्षक पलामू प्रक्षेत्र, पलामू क्षेत्र के सभी थाना/ओपी प्रभारियों और विधि-व्यवस्था पर्यवेक्षक को भी सूचनार्थ भेजा गया है।

डीआईजी नौशाद आलम से दो प्रशिक्षु डीएसपी ने की शिष्टाचार भेंट

श्रावणी मेला में उल्लेखनीय कार्य करने पर डीआईजी ने की सराहना, साझा किए भविष्य के अनुभव

मेदिनीनगर : पलामू प्रमंडल के पुलिस उपमहानिरीक्षक नौशाद आलम से आज दो प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान डीआईजी ने दोनों अधिकारियों को उनके अब तक के योगदान विशेषकर देवघर में श्रावणी मेला के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्य के लिए सराहना की और उन्हें भविष्य में उपयोगी कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मार्गदर्शन दिया।

भेंट के दौरान राजेश यादव और राजीव रंजन, दोनों प्रशिक्षु डीएसपी, ने डीआईजी से विभिन्न प्रशासनिक एवं पुलिसिंग से जुड़े विषयों पर चर्चा की और अनुभव साझा किए। डीआईजी ने उन्हें बताया कि देवघर जैसे बड़े आयोजन में उनकी सक्रिय भागीदारी और सूझबूझ सराहनीय रही, जिससे उन्हें भविष्य में जमीनी कार्यों में लाभ मिलेगा। साथ ही उन्होंने अपने स्वयं के अनुभवों को साझा करते हुए दोनों अधिकारियों को पेशेवर जीवन में धैर्य, संयम और सेवा भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। डीआईजी ने आशा जताई कि दोनों अधिकारी आने वाले समय में झारखंड पुलिस की छवि को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मौके पर पांकी थाना की पूनम टोप्पो पुलिस अधिकारी ही मौजूद थी।

सीनियर पुरुष एवं महिला हॉकी चैंपियनशिप में महिला वर्ग में 05 लीग मैच समाप्त

संवाददाता

सिमडेगा : राष्ट्रीय खेल दिवस सह हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के अवसर पर हॉकी सिमडेगा और जिला खेलकूद विभाग सिमडेगा के संयुक्त तत्वाधान में 29 अगस्त से 14 सितंबर 2025 तक एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम सिमडेगा में आयोजित 20 वी मेजर ध्यानचंद सिमडेगा जिला स्तरीय सीनियर पुरुष एवं महिला हॉकी चैंपियनशिप 2025 में आज 12वे दिन

महिला वर्ग के 05 मैच हुए जिसमे उएड सिमडेगा रोज टीम ने यूसी रेंगारीह को 12=01 से , पाकरतार ने तैसेर को 2=0 से, आर सी ऊ मध्य विद्यालय करंगागुडी ने बानो को 7=0 से, टेसर ने बानो को 4=0 से पराजित कर पूरे अंक अर्जित किए।मिनी शक्ति नारी टीम और बरवाडीह की टीम 0=0 की बराबरी पर रहे।

आज के मैच हॉकी कोच सिसीलिया तिर्की, तारिणी कुमारी, सुबिला मिंज, बिमला सोरेंग, रेणुका सोरेंग, स्मिता तिग्गा, एंटोनिया सोरेंग ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच प्रारंभ कराया।

आयोजन को सफल बनाने में हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोनबेगी, पंखरासियुस टोप्पो, कमलेश्वर मांझी, बसंत बा, राहुल मिंज, कुनुल भेंगरा,करिश्मा परवार, रोहित बेसरा, फ्लेबियस तिर्की,सुजीत एक्का, वेद प्रकाश, कोच तारिणी कुमारी, एक्शन कीड़ों, तालिम तिग्गा, नेहा कुमारी, मनीषा एक्का, अनिशा कुल्लू, बेरतीला केरकेट्टा, गुलशन लकड़ा, मनसुख सुरीन , सहित हॉकी सिमडेगा के समस्त पदाधिकारियों के साथ सदर अस्पताल की मेडिकल टीम भी अपना पूरा सहयोग कर रही है।

देश के 15 वें उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन देवघर में तत्कालीन उपायुक्त विशाल सागर के कार्यों से काफी प्रभावित हुए थे

संवाददाता

देश के नये उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन जब झारखंड के महामहिम राज्यपाल के रूप में पदस्थापित थे उक्त क्रम में वे जब देवघर गए थे उस समय तत्कालीन उपायुक्त विशाल सागर के उपायुक्त के रूप में किए गए कार्यों से प्रभावित दिखे थे। महामहिम के आगमन से लेकर कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त की सक्रियता और उनके द्वारा की गई कार्य व्यवस्था से महामहिम काफी प्रभावित हुए थे और उन्हें सराहा था।

वर्तमान समय में श्री सागर झारखंड में उद्योग निदेशक के रूप में पदस्थापित हैं।

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2016 बैच के आईएएस अधिकारी विशाल सागर अपने बेहतर कार्य से झारखंड के लोकप्रिय आईएएस अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं।

भारत आदिवासी पार्टी के अध्यक्ष ने जिला वासियों को दी शुभकामनाएं

संवाददाता

सिमडेगाः भारत आदिवासी पार्टी का तीसरा स्थापना दिवस पूरे देश में धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर सिमडेगा जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने जिला वासियों, कार्यकताओं एवं समर्थकों को हार्दिक शुभकामनाएँ और जोहार प्रेषित किया।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि अल्प समय में पार्टी ने ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। वर्ष 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में पार्टी ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की– माननीय संसद राजकुमार रौत (चौरासी), माननीय उमेश डामोर (आसपुर), माननीय विधायक थावरचंद मीणा (धरियावद)–और विधानसभा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद हुए चौरासी उपचुनाव में माननीय विधायक अनिल कुमार कटारा ने जीत हासिल की। इसी कड़ी में माननीय विधायक जयकृष्ण पटेल (बागीदौरा) ने उपचुनाव में 51,434 वोटों से शानदार जीत दर्ज की।

राजस्थान में के मौजूदा विधायकः

माननीय विधायक अनिल कुमार कटारा झ चौरासी (उपचुनाव विजेता, 2024)

माननीय विधायक उमेश डामोर झ आसपुर (2023)

माननीय विधायक थावरचंद मीणा झ धरियावद (2023)

माननीय विधायक माकमलेश डोडियार - सैलाना (मध्य प्रदेश) (2023)

विधायक जयकृष्ण पटेल : बागीदौरा (2024 उपचुनाव)

अमृत चिराग तिर्की ने अपने संदेश में यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में बांसवाड़ा से माननीय संसद राजकुमार रौत की ऐतिहासिक जीत ने पार्टी को राष्ट्रीय पहचान दिलाई और आदिवासी समाज की आवाज को और अधिक सशक्त बनाया।

राजनीतिक मान्यता के लिहाज से भारत आदिवासी पार्टी को राजस्थान में राज्य पार्टी का दर्जा प्राप्त है और यह राजस्थान विधानसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वर्तमान में पार्टी राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, झारखंड, बिहार, आंध्र प्रदेश और उड़ीसा सहित कई राज्यों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

अपने संबोधन में अमृत चिराग तिर्की ने जोर देकर कहा–

भारत आदिवासी पार्टी केवल चुनाव लड़ने की पार्टी नहीं है, बल्कि यह आदिवासी अस्मिता, हक और अधिकार की सशक्त आवाज है। इस स्थापना दिवस पर हम सब मिलकर संघर्ष को और मजबूत करने का संकल्प लेते हैं.

ठेठईटांगर के कोरोंजो चर्च में आयोजित हुआ उपदेश तैयारी का प्रशिक्षण

दो दिवसीय कार्यक्रम में पारिस कर्मियों को मिली सर्मन की गहराई और प्रस्तुति की जानकारी

संवाददाता

ठेठईटांगर : जी.ई.एल. चर्च कोरोंजो, ठेठईटांगर में 8 एवं 9 सितम्बर 2025 को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में बड़ी संख्या में पारिस कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उपदेश की तैयारी, उसकी आध्यात्मिक गहराई तथा समाज में इसके प्रभावी प्रसार को समझाना था।

मुख्य वक्ता के रूप में रेव वाई सोरेंग ने दी उपदेश की महत्ता पर सीख

प्रशिक्षण के मुख्य वक्ता रेव वाई सोरेंग ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सुसमाचार का प्रभावी प्रचार तभी संभव है जब उपदेशक गहराई से तैयारी कर आत्मा और सच्चाई के साथ वचन साझा करें। उन्होंने यह भी कहा कि उपदेश केवल बोलने की कला नहीं है, बल्कि यह आस्था और सेवा का माध्यम है।

विधायक नमन विक्सल कोंनगाड़ी रहे विशेष अतिथि

कार्यक्रम में बतौर विशेष अतिथि नमन बिकशल कोनगाड़ी विधायक, कोलेबिरा उपस्थित हुए।उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल चर्च कार्यकताओं को सशक्त बनाते हैं, बल्कि समाज में नैतिक मूल्यों और सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार भी करते हैं।

व्यावहारिक अभ्यास ने बढ़ाई समझ

दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान पारिस कर्मियों को उपदेश तैयार करने की विधि, उसकी संरचना, बाइबल अध्ययन और श्रोताओं के सामने प्रस्तुति की बारीकियों से अवगत कराया गया। प्रतिभागियों ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह उनके लिए अत्यंत लाभकारी रहा।

सामूहिक प्रार्थना के साथ समापन

प्रशिक्षण का समापन सामूहिक प्रार्थना और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इसे स्थानीय स्तर पर एक ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है।

अपने संबोधन में विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने कहाः

प्रिय भाइयों और बहनों,

यह प्रशिक्षण केवल उपदेश की तैयारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन, समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की याद भी दिलाता है। कलीसिया का उद्देश्य आस्था, आध्यात्मिकता और सेवा है।कलीसिया में राजनीति का भी विशेष महत्व है।हम सभों को राजनीतिक रूप से जागरूक होना चाहिए।क्योंकि राजनीतिक रूप से जागरूकता आने से हम अपने अधिकार को जान पाएंगें।संबिधान के विभिन्न अनुच्छेद में तरह-तरह के विशेषाधिकार प्राप्त हैं।

हमारा संविधान इस विषय पर हमें स्पष्ट मार्गदर्शन देता है–

अनुच्छेद 15 : धर्म, जाति, लिंग, मूलवंश या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव पर रोक।

अनुच्छेद 16 : शिक्षा, रोजगार और सरकारी सेवाओं में समान अवसर का अधिकार।

अनुच्छेद 25 : धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार–हर व्यक्ति अपनी पसंद का धर्म मानने, उसका पालन करने और प्रचार करने के लिए स्वतंत्र है।

जब संविधान हमें इतना मजबूत आधार देता है, तब हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम हर धर्म और हर समुदाय का सम्मान करें। हमें इंसानियत के रिश्ते को प्राथमिकता देनी चाहिए। जिस तरह यीशु मसीह ने प्रेम और सेवा का संदेश दिया, उसी तरह हमें भी सभी धर्मों के लोगों के साथ मिल-जुलकर रहना है।

आइए, हम अपने गाँव, समाज और राज्य में यह जागरूकता फैलाएँ कि धर्म विभाजन का नहीं, बल्कि एकता और भाईचारे का माध्यम है। जब तक हम सब एक होकर नहीं रहेंगे, तब तक विकास अधूरा रहेगा।

अंत में, मैं आप सबसे यही आग्रह करता हूँ कि हम अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी निभाएँ। संविधान हमें समानता और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसका उपयोग कर एक समरस, शांतिपूर्ण और मजबूत समाज का निर्माण करें।

मौके पर पेरिस चेयरमैन पादरी बिभव केरकेट्टा, पादरी मंजुसा सोरेंग पेरिस के सभी कांदीदात,प्रचारक एवं प्रचारिक और मंडली के सभी सम्मानित सदस्यगण उपस्थित रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए सरकार लगातार काम कर रही है : बसंत सोरेन

मसलिया : प्रखण्ड परिसर में मंगलवार को जनता दरबारझसहझ जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिला समूह की सदस्याएँ, जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित हुए। इस अवसर पर स्थानीय झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक बसंत सोरेन ने आम जनता को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुन रही है और उनका त्वरित समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता दरबार केवल समस्याओं के निवारण का ही मंच नहीं है बल्कि यह जन-जन को सरकार की योजनाओं से जोड़ने का माध्यम भी है। माननीय विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पेयजल और कृषि जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे योजनाओं का लाभ लेने के लिए स्वयं आगे आएं और अधिकारियों के साथ सहयोग करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिले केउपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि जनता दरबार सरकार और जनता के बीच सेतु का काम करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका उद्देश्य शिकायतों का पारदर्शी और समयबद्ध समाधान करना है। उपायुक्त ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और शीघ्र निष्पादन करें। उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर तक जनता की भागीदारी से ही विकास कार्यों में तेजी लाई जा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लाभुकों को परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। इसमें सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना, अबुआ आवास योजना, पेंशन स्वीकृति पत्र और अन्य सामग्रियाँ शामिल थीं। लाभुकों ने सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं के लिए धन्यवाद दिया और इसे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला कदम बताया।

इस अवसर पर सहायक समाहर्ता, प्रखण्ड स्तरीय अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, आंगनबाड़ी सेविकाएँ एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं से संबंधित आवेदन भी प्राप्त किए गए, जिनका निराकरण निर्धारित समय-सीमा में करने का आश्वासन दिया गया।

उप विकास आयुक्त ने किया मोहनपुर प्रखंड के रढ़िया पंचयात का निरीक्षण

देवघर : जिले के उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा ने मंगलवार को मोहनपुर प्रखंड के ग्राम पंचायत रढ़िया का क्षेत्र भ्रमण कर ग्राम रोहनपुर में जलछाजन प्रकोष्ठ, देवघर द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का निरिक्षण किया। इस दौरान उन्होंने योजनाओं के निरीक्षण के क्रम में पाई गयी त्रुटियों का निराकरण करने का निर्देश उपस्थित पदाधिकारियों को दिया तथा प्राक्लन की विशिष्टियों के अनुरूप काम करने का निर्देश दिया।

इसके अलावा ग्राम पंचायत कार्यालय रढ़िया के निरीक्षण के क्रम में मनरेगा के तहत संधारित सात अनिवार्य पंजीयों की जांच की गई, जो अद्यतन नहीं पाई गई। इसपर नाराजगी व्यक्त करते हुए अबिलम्ब पंजीयों को अद्यतन करने का निर्देश रोजगार सेवक को दिया गया। आगे पंचायत भवन में आये आगंतुकों से पूछताछ कर उनको मिलने वाले लाभ एवं पंचायत में किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी ली गई।

निरीक्षण के दौरान जिला जल छाजन प्रकोष्ठ के तकनीकी विशेषज्ञ, संबंधित ढक्ळ के तकनीकी पदाधिकारी, सम्बंधित पंचायत के रोजगार सेवक, पंचायत सेवक, मुखिया आदि उपस्थित थे।

दामिनी और सचेत एप से पाएं मौसम की पूर्व सूचना

लोहरदगा : आमजनों को सूचित किया जाता है कि खराब मौसम व वज्रपात से जुड़ी जानकारी से अद्यतन (वस्त्रींइे) रहने के लिए सरकार द्वारा ₹सचेत₹ एवं ₹दामिनी₹ एप शुरू किया गया है जिसे कोई भी अपने मोबाईल में एप के रूप में इनस्टॉल कर सकते हैं। इन मोबाइल एप के माध्यम से आपके क्षेत्र के 20 से 40 किलोमीटर के दायरे में होने वाले वज्रपात की जानकारी मिल सकती है। सचेत (ुँ३) एवं दामिनी (ळ्रेल्ल्र) एप समय से पहले ही बिजली, वज्रपात, ठनका वगैरह की संभावना की सटीक जानकारी देता है। इस एप में काफी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई है। साथ ही वज्रपात की स्थिति में बचाव कैसे करें, इस बारे में बताया गया है। एप में सुरक्षा के उपाय के अलावा प्राथमिक चिकित्सा संबंधी जानकारी भी दी गई है। दोनों एप; सचेत एवं दामिनी के माध्यम से वज्रपात का पूर्वानुमान लग जाता है और ऐसे में लोगों के पास पर्याप्त समय होता है कि वे सुरक्षित जगह पर चले जाएं। समय रहते जानकारी मिलने पर सतर्क होकर जानमाल की क्षति से बचा जा सकता है। ऐसे में आवश्यक है कि ज्यादा से ज्यादा लोग सचेत एवं दामिनी एप को डाउनलोड कर उपयोग करें।

एप के उपयोग के फायदे

उक्त दोनों एप गूगल प्ले स्टोर एवं आईओएस एप स्टोर पर उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नयी दिल्ली की ओर से विकसित सीएपी आधारित सचेत (ुँ३) एप एकीकृत चेतावनी प्रणाली है, जो वज्रपात से बचाव, सावधानी और सुरक्षा संबंधी भू-लक्षित चेतावनी प्रदान करता है। यह एप भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) की ओर से जारी येलो, ऑरेंज और रेड अलर्ट को मोबाइल नोटिफिकेशन और मोबाइल एसएमएस के माध्यम से पहुंचाता है।

वहीं, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से विकसित दामिनी एप 20 से 40 किलोमीटर के दायरे में बिजली गिरने की संभावना होने पर उपयोगकताओं को 15-45 मिनट पहले जानकारी दे देता है। एप से ससमय अलर्ट पाने के लिए मोबाईल जीपीएस ऑन रहना चाहिए।

राज्य में इन दोनों एप्स के उपयोगकताओं की संख्या कम है, जिस कारण वज्रपात से संबंधित महत्वपूर्ण चेतावनी जन-जन तक नहीं पहुंच पा रही है।